हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार 13 अप्रैल 2025

8 राहत के साथ बरसी आफत, मंडियों में भीगी सरसों व गेहूं

9 बजरंग बली का जीवन शक्ति, भक्ति, सेवा ...

MK HOSPITAL
BHIWANI • SHHEF VENTURE

MK हॉस्पिटल, भिवानी

आपके बेहतर कल के लिए, आज की देखभाल
20+ विशेषज्ञ और एक ही अस्पताल।

हमारी टीम

DR. AKSHAY BHATIWAL — Consultant – Ophthalmology
नेत्र रोग विशेषज्ञ
MBBS, MS (Ophthalmology), FMR, FMG
Previous Exp.: Ganga Devi Pandey Eye Hospital | H.V. Desai Eye Hospital, Pune
3+ Years Of Experience

DR. M. MONIS — Consultant – Emergency Medicine
आपातकालीन चिकित्सा
MBBS, MEM (Emergency Medicine)
Previous Exp.: Narayana Healthcare – Gurgaon | Guru Teg Bahadur Hospital | Rama Medical College
8+ Years Of Experience

DR. MANAS RANJAN MALLICK — Consultant – General Surgery, Gastrointestinal Surgery & Laparoscopic Surgery
जनरल सर्जरी, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विशेषज्ञ
MBBS, MS (General Surgery), Fellowship in Gastro Surgery, FMAS, FAIS
Previous Exp.: Sir Ganga Ram Hospital, New Delhi | VMMC Safdarjung Hospital, New Delhi | AIIMS Bhubaneswar
10+ Years Of Experience

DR. MANJEET — Consultant – Cardiology
हृदय रोग विशेषज्ञ
MBBS, DNB (General Medicine), DrNB (Cardiology)
Previous Exp.: Max Hospital, New Delhi | AIIMS, Delhi | Fortis Hospital, New Delhi | Oxygen Hospital, Rohtak
7+ Years Of Experience

DR. NITHIIN BALACHANDAR — Consultant – Radiation Oncology
कैंसर रोग विशेषज्ञ
MBBS, DNB (Radiation Oncology)
Previous Exp.: National Cancer Institute – Kolkata | Bangalore Cancer Center – Bangalore | Jaslok Hospital – Mumbai | Ashwin Cancer Hospital – Coimbatore
9+ Years Of Experience

DR. RAVINDER — Consultant – Dental
दंत रोग विशेषज्ञ
BDS, PGIMS Rohtak
4+ Years Of Experience

DR. RITU AGARWAL — Consultant – Gynaecology & Obstetrics.
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
MBBS, DNB (Obs & Gyn), PGDS (Sonology) (PGIMS Rohtak)
12+ Years Of Experience

DR. RITU SHARMA — Consultant – Gynaecology & Obstetrics.
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
MBBS, MS (Obstetrics & Gynaecology)
Previous Exp.: Government Multi-Speciality Hospital, Chandigarh
5+ Years Of Experience

DR. SAHIL MEHTA — Consultant Orthopaedics & Joint Replacement Surgeon + Sports Injury Surgery
हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ
MBBS, MS (Orthopedics)
Previous Exp.: Safdarjung Hospital – New Delhi | BLK Hospital – Delhi | PGI – Rohtak
10+ Years Of Experience

DR. SAKSHI BHARDWAJ — Visiting Consultant – Psychiatry & Deaddiction Specialist
मानसिक रोग विशेषज्ञ, नशामुक्ति विशेषज्ञ
MBBS, MD (Psychiatry)
Previous Exp.: PGIMS – Rohtak
4+ Years Of Experience

DR. SAKSHI SINGLA — Consultant – Dermatology
त्वचा रोग विशेषज्ञ
MBBS, MD (Dermatology)
Previous Exp.: Kaya Cosmetology Clinic – Gurgaon | GMC Patiala
8+ Years Of Experience

DR. SAURABH JUNEJA — Consultant – Pathology
पैथोलॉजी विशेषज्ञ
MBBS, MD (Pathology)
Previous Exp.: World College of Medical Science & Research Center | Central Laboratory, District Hospital – Pauri Garhwal | BPS Government Medical College – Sonepat
4+ Years Of Experience

DR. SHANKEY GARG — Consultant – Radiology
रेडियोलॉजिस्ट सलाहकार
MBBS, MD (Radiology)
4+ Years Of Experience

DR. SOMBIR MEHRA — Consultant – Physiotherapy - फिजियोथेरेपी सलाहकार
Expert in Pain Management - दर्द प्रबंधन में विशेषज्ञ
MPT, MHSCP, CMT, CDNP, CIASTM, CKTP, CCTP, BPT
Previous Exp.: PGIMS, Rohtak
5+ Years Of Experience

DR. VIKRAM KUMAR — Consultant General Medicine & Diabetology
सामान्य चिकित्सा एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
MBBS, MD(General Medicine), CCDM
Previous Exp.: Deen Dayal Upadhyay Hospital – New Delhi | Indian Spinal Injury Center – New Delhi
8+ Years Of Experience

DR. VINAYAK RASTOGI — Consultant Neuro Surgery
न्यूरो सर्जरी विशेषज्ञ
MBBS,MS(General Surgery) MCh (Neurosurgery)
Previous Exp.: G.B Pant Hospital, New Delhi | Fortis Escorts Hospital, Faridabad
15+ Years Of Experience

DR. VISHNU KANT SHARMA — Consultant – Urology
यूरोलॉजी विशेषज्ञ
MBBS, MS (General Surgery), MCh (Urology)
Previous Exp.: PGIMER, Chandigarh
4+ Years Of Experience

DR. DEEPANSHU SHARMA — Medical Officer, MBBS
DR. JYOTI RANI — Medical Officer, MBBS
DR. NEHA NEHRA — Medical Officer, MBBS
DR. RAHUL RAGHAV — Medical Officer, MBBS
DR. SHAKTI SINGH — Medical Officer, MBBS
DR. VINAY BURA — Medical Officer, MBBS

DR. HARISH CHAWRA — Physician Assistant, BAMS

ALLIED SERVICES
- Clinical Psychologist
- Dietician

RAKHEE — Clinical Psychologist
SUMAIYA KHAN — Dietician

AKNA | TPA सुविधाएं | MedSave INDIA
PM-JAY | NABH CERTIFIED | EMERGENCY 24X7 SERVICES

MODULAR OPERATION THEATER

ICU FACILITY

ONLY HOSPITAL IN BHIWANI WITH GE's CATH LAB FACILITY

MOBILE HOSPITAL WITH MAMMOGRAPHY

AMBULANCE

LINAC MACHINE

COMING SOON
Medical Oncology | Surgical Oncology | Radiation Facility
PET CT Scan | Mammography

- आयुष्मान पैनल के तहत फ्री इलाज उपलब्ध
- दवाइयों की निःशुल्क होम डिलीवरी
- फ्री होम सैंपल कलेक्शन
- फ्री ई-रिक्शा सेवा*
  बस स्टैंड से मरीजों को फ्री लाने और छोड़ने की सुविधा उपलब्ध

70 09 09 09 24
01664 - 350301/2 | info@mkhospitals.in

OUR CENTRES
MK Hospital 5th Mile Stone, Bhiwani - Delhi Road, Bhiwani, Haryana
MK City Center SCO-23, Panchayat Pocket, Opp. Red Cross, Zoo Road, Bhiwani, Haryana

खबर संक्षेप

अंधड़ से निगम को हुआ मोटा नुकसान

बहल। शुक्रवार दिन में आए तेज अंधड़ व बारिश से क्षेत्र में अनेक जगह पर बिजली निगम को भारी नुकसान हुआ। अनेक जगह पर खेतों में व सडक़ किनारे लगे पेड़ टूट गए। सडक़ पर पेड़ गिरने से कई जगह पर आवागमन बाधित रहा। बहल क्षेत्र में बिजली पोल टूटने से कई जगह पर बिजली आपूर्ति बाधित हो गई जिसकी वजह से लोगों को अंधेरे में रात गुजारनी पड़ी। बिजली निगम को करीब छह लाख रुपये के नुकसान होने का अनुमान है। शुक्रवार को दोपहर बाद अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। देखते देखते ही आसमान में धूल चढ़ गई व तेज आंधी चलने लगी। कुछ देर बाद तेज हवा के साथ बारिश शुरू हुई जिसने तूफान का रूप ले लिया।

श्री हनुमान जयंती पर मंदिरों में भंडारे आयोजित

लोहारू। शनिवार को भगवान श्री हनुमान जयंती महोत्सव शहर के अनेक मंदिरों में धूमधाम से मनाया गया और सुबह पूजा अर्चना के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। वहीं सांय को शहर के श्री पमंचमुखी हनुमान मंदिर में हनुमान चालिसा का पाठ किया और प्रसाद वितरित किया गया। बता दें कि श्री हनुमान जयंती के मौके पर शहर के उजाडिय़ा श्री हनुमान मंदिर, मुख्य पंचायती मंदिर, रोडवेज बस स्टेंड स्थित हनुमान मंदिर औा पुराना शहर के मंदिर में भगवान श्री हनुमान की पूजा अर्चना की गई।

मारपीट कर 20 लाख रुपये छीनने का आरोप

चरखी दादरी। गांव मानकावास निवासी एक व्यक्ति ने तीन युवकों पर मारपीट व 20 लाख रुपये छीनने का आरोप लगाया है। पुलिस ने युवक की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव मानकावास निवासी रणधीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बाइक से स्टोन क्रेशर संभालने गया था। वह क्रेशर से 20 लाख रुपये वापिस निकला था। ये रूपये भाई के घर देने थे। जब वह क्रेशर से निकला तो तीन युवकों ने उसकी बाइक के सामने गाड़ी सामने खड़ी कर रास्ता रोक लिया।

अज्ञात वाहन से बुजुर्ग को मारी टक्कर,मौत

बहल। नांगल निवासी बुजुर्ग को गांव के समीप सड़के मार्ग से गुजरते समय किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। बाद में अस्पताल में ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। नांगल गांव निवासी विक्रम ने बताया कि वह शुक्रवार रात को अपने चाचा के लडक़े की शादी में गया हुआ था। शादी में खाना खाने के बाद जब वह वापस आ रहा था तो देखा की उसका ताऊ श्योकरण सडक़ किनारे बेहोशी ही हालत में पड़ा था। जब उसने देखा तो उसके ताऊ का सिर फटा हुआ था। उन्होंने घटना की सूचना अपने परिवारजनों व पुलिस को दी। इस दौरान हम उनको घायलवस्था में लोहारू सीएचसी में लेकर गए जहां चिकित्सकों ने उनको मृत घोषित कर दिया।

खेतों में जमीन पर बिछी गेहूं की फसल, बदले मौसम ने बढ़ाई किसानों की चिंता

राहत के साथ बरसी आफत, मंडियों में भीगी सरसों व गेहूं

शनिवार शाम तक अनेक जगहों पर बिजली के पोल टूटे पड़े हैं और सडकों पर पेड़ गिरे पड़े मिले।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी/ बवानीखेड़ा/लोहारू

शुक्रवार शाम को आई बारिश के साथ तेज अधंड से हुई समस्या शनिवार को भी देखने को मिली। शनिवार शाम तक अनेक जगहों पर बिजली के पोल टूटे पड़े है और सडकों पर पेड़ गिरे पड़े मिले। हालांकि विद्युत निगम ने रात को ही अभियान चलाकर मुख्य लाइनों को तो चालू कर दिया,लेकिन गांव व ढाणियों की तरफ जाने वाली बिजली की लाइनों के शनिवार शाम तक भी पोल टूटे हुए नजर आ रहे थे। जिस वजह से अनेक जगहों पर पीने के पानी की सप्लाई प्रभावित हुई।

दूसरी तरफ बारिश से खुले आसमान के नीचे पड़ी सरसों की ढेरियों में पानी घुस गया। कई जगहों पर सरसों की ढेरियां पानी के साथ बह कर सड़कों पर आ गई। दूसरी तरफ यही हाल अनाजमंडी में गेहूं की ढेरियों का रहा। बारिश के पानी के साथ गेहूं के दाने दूर तक बह गए। देर रात अंधड़ व बारिश तो थम गई,लेकिन बर्बादी के निशान आज भी देखे गए। अनेक जगहों पर हरे पेड़ टूटे हुए पड़े रहे। वन विभाग व विद्युत निगम की टीम ने अपने अपने इलाकों से हरे पेड़ों को हटाया। विद्युत निगम की टीम ने केवल बिजली के तार जिस जगह से गुजर रहे थे। उन जगहों से हटाया। इसी तरह लोक निर्माण विभाग की टीम ने पेड़ों को सडकों से हटाया।

आवागम बाधित: सड़कों से हटने के बाद ही देर रात तक वाहनों का सही ढंग से आवागमन शुरू हो पाया। दूसरी तरफ किसानों के खेतों में रबी की फसल गेहूं तेज हवा से जमीन पर बिछ गया। हालांकि गेहूं की फसल लगभग पक गई है,लेकिन उसके बावजूद भी जमीन पर बिछने की वजह से फसल की औसतन पैदावार में कमी आना लाजिमी है।

भिवानी। बारिश से भीगे गेहूं के ढेर, जो कि कच्चे शैड पर डाले गए है।

भिवानी। बारिश से भिवानी में भीगी सरसों की ढेरी।

बहल। अंधड़ से टूटे पोल।

सुबह मंडियों में अनाज की ढेरियों को सुखाते रहे किसान

शुक्रवार देर शाम को आई बारिश की वजह से मंडियों में किसानों की सरसों व गेहूं की ढेरी भीग गई। जिस वजह से उनमें नमी बढ़ी। आज नमी को कम करने के लिए किसान सुबह ही अपनी फसलों की ढेरियों को मंडियों में फैलाने लगे। ताकि धूप की वजह से फसल की ढेरी में बढ़ी नमी को कम किया जा सके। यह स्थिति भिवानी अनाजमंडी के अलावा बवानीखेड़ा अनाजमंडी में बनी रही। बवानीखेड़ा अनाजमंडी में कच्चे शैड पर डाले गए गेहूं में तो मिट्टी आदि भी मिल गई। ऐसे में गेहूं की गुणवता घटना लाजिमी है।

अनाज मंडी में खुले में गेहूं व सरसों चढ़ी बारिश की भेंट

भिवानी। शुक्रवार सांय को अचानक से मूसलाधार बारिश के कारण अनाजमंडी में खुले में हजारों क्विंटल गेहूं व सरसों बारिश की भेंट चढ़ गई जिससे किसानों व आढ़तियों के माथे पर चिंता की लकीरे साफ देखने को मिली। हालांकि विभाग ने अपने पूरे पुख्ता इंतेजामात किए हुए थे। किसानों व आढ़तियों के दर्द को देखते हुए हल्का विधायक कपूर वाल्मीकि ने अनाज मंडी का निरीक्षण किया और विभाग के अधिकारियों को आदेश दिए कि बारदानें की कमी नहीं रहनी चाहिए और उठान तुरंत प्रभाव से होना चाहिए। किसी प्रकार की कोई समस्या आती है तो समस्या के समाधान के लिए वे स्वयं उच्चाधिकारियों सहित मुख्यमंत्री से बातचीत करेंगे ताकि किसानों व आढ़तियों की समस्या का निदान हो सके। बताया जाता है की अनाज मंडी में 60 हजार क्विंटल गेहू व 1लाख 30 हजार क्विंटल सरसों खुले में रखा हुआ है जो शैड के नीचे है उसे छोड़कर बाकि बारिश की भेंट चढ़ गया। हालांकि विभाग के ऑक्शन रिकार्डर सुरेन्द्र ने बताया कि विभाग द्वारा 1लाख 10 हजार क्विंटल सरसों की खरीद की जा चुकी है और बारदाने की कोई कमी नहीं है व उठान का कार्य प्रगति पर है। विधायक कपूर वाल्मीकि ने स्थानीय अनाजमंडी में पहुंचकर किसानों व आढ़तियों की समस्याओं के समाधान के आदेश दिया वहीं हिसार में प्रधानमंत्री के आगमन का भी न्यौता दिया। वहीं उन्होंने बताया कि वे दादू नगरी सहित हलके के लोगों की भलाई के लिए कार्य करते रहेंगे।

भिवानी। अनाजमंडी का निरीक्षण करते विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि।

बवानीखेड़ा। टूटे हुए बिजली के पोल को बदलते निगम के कर्मचारी।

6 घंटे की मशक्कत के बाद बिजली कर्मचारियों ने समस्या की दुरुस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा में शुक्रवार सांय आंधी-तुफान सहित मुसलाधार बारिश आने के कारण बिजली बाधित हो गई। लगभग 6 बजे बिजली जाने पश्चात रात करीबन 1 बजे बिजली के दर्शन हुए। तेज बारिश में विभाग के कर्मचारियों में जेई दिनेश कुमार, सुमित जेई, फोरमैन बिजेन्द्र, खुशीराम, प्रदीप, मंदीप आदि ने टीम बनाकर मोर्चा संभाला और पोल टू पोल जांच की। मंढ़ाणा लाइन में पाया कि तारों पर शीशम का वृक्ष गिरा हुआ था और दो तीन अन्य वृक्ष गिरे पाए गए। वहीं लाइन से तार उतरा हुआ मिला। कर्मचारियों ने पूरी मशक्कत से वृक्षों की कटाई की व तारों को जोड़कर बिजली सप्लाई को शुरू किया। शहरवासियों ने भी कर्मचारियों के कार्य की सराहना की। उपमंडल अभियंता राजेन्द्र ने बताया कि समय समय मेंटिनेंस किया जाता है लेकिन आंधी-तुफान व बारिश के कारण खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उनके मेहनती कर्मचारियों द्वारा समय पर मोर्चा संभालकर बिजली सप्लाई चालू की।

लोहारू में अनेक जगहों पर टूटे पोल व पेड

आरएफओ ओमप्रकाश पिलानिया ने बताया कि लोहारू ब्लॉक में 4- 5 पेड़ टूटे है, जहां कहां रास्तों पर पेड़ गिरे या डाले टूटकर गिरे उन्हें उठवा दिया गया है और रस्ते साफ कर दिए गए है। बिजली निगम जेई दिनेश कुमार ने बताया कि इलाके में तेज आंधी के कारण एक बिजली का खंबा, आधा दर्जन जगह से बिजली की तारें टूटी हैं। देर रात शहर की बिजली आपूर्ति बहाल हुई। पिलानी रोड पर भी एक पेड़ टूटने से बिजली की तारें क्षतिग्रस्त हुई हैं।

पक्षियों के लिए की घौसले रखे

- बजरंग खन्ना बोले-गर्मी में पक्षियों के लिए आश्रय की सबसे ज्यादा जरूरत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहल

गर्मी के मौसम में हर बार बेजुबान पक्षियों के लिए आसरे व पीने के पानी की समस्या बनी रहती है। समाजसेवी लोग पक्षियों के लिए पानी के सिकारे व उनके लिए आश्रय का प्रबंध करते रहे हैं। बहल कस्बे के एनआरआई बजरंग खन्ना ने भी इस बार ऐसे पक्षियों को गर्मी व लू से बचाने के लिए घोंसलों की व्यवस्था की है। बजरंग ने विभिन्न जगहों पर लगाने के लिए एक हजार घोंसले खरीदें हैं। शनिवार से इन घोंसलों को लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। शुरूआत में ऐसे पेड़ों को तलाशा गया है जिसके इर्द गिर्द पक्षी ज्यादा है व वहां उनके आश्रय की जगह नहीं है। वहीं, ऐसी जगह जहां पर दूर दूर तक पक्षियों के लिए कोई आश्रय नहीं है, ऐसी जगह पर वो घोंसले लगाए जाने है। बजरंग खन्ना ने बताया कि गर्मी में पक्षियों के लिए आश्रय की सबसे ज्यादा जरूरत होती है क्योंकि गर्मी में बिना छांव के हजारों पक्षियों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। ऐसे में उन्होंने 1000 घोंसलें मंगाए हैं।

बहल। पक्षियों के लिए घोसले लगाते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

आधुनिक शिक्षा प्रणाली को अपनाएं

- शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन,पुन: 'विश्व गुरु' बनाने की ओर अग्रसर :प्रोफ़ेसर राजबीर सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हलवासिया विद्या विहार में शिक्षकों को जागरूक करने के उद्देश्य से महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के वॉइस चांसलर प्रोफ़ेसर राजबीर सिंह पधारे। सर्वप्रथम माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तदुपरांत उनके द्वारा विद्यालय में पौधारोपण किया गया। विद्यालय प्रशासक डॉ. शमशेर सिंह अहलावत,प्राचार्य विमलेश आर्य तथा विभाग प्रमुखों द्वारा उनको पुष्पगुच्छ एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। अपने उद्बोधन में उप-कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने छात्रों के हित में डिजिटल कंटेंट के बारे में विस्तारपूर्वक शिक्षकों को जागरुक करते हुए बताया कि शिक्षा के माध्यम से ही आज हम छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए बेहतरीन ढंग से तैयार कर सकते हैं। आज के समय में तकनीकी शिक्षा बहुत ज़रूरी है इसलिए डिजिटलाइजेशन के जरिए ही छात्रों में अनेक स्किल्स विकसित हो सकती हैं। भारतीय शिक्षक यदि छात्रों के साथ मिलकर पारंपरिक ज्ञान एवं आधुनिक शिक्षा प्रणाली को साथ लेकर आगे बढ़ते हैं तो निःसंदेह आने वाली सशक्त पीढ़ियाँ भारत को शिक्षा के क्षेत्र में विश्व गुरु बना देंगी। डिजिटल सामग्री के माध्यम से भारत वैश्विक शिक्षा का नेतृत्व करने में पूर्णरूपेण सक्षम हो सकता है।

भिवानी। दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ करवाते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

शिक्षा की परिभाषा बदली

डिजिटल तकनीकियों ने शिक्षण को नई दिशा देने का कार्य किया है जहाँ पहले केवल पुस्तकें ही ज्ञान का माध्यम थी वहीं अब स्मार्ट क्लासेस, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म्स, वर्चुअल रियलिटी तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे अनेक उपकरणों ने शिक्षा की परिभाषा को बदल दिया है। आज की तकनीकी विद्यार्थियों की समझ के अनुसार सिलेबस को बदल सकती हैं। आज अनेक प्रकार के अंतर्राष्ट्रीय कोर्सेज के व्यापक संसाधन आसानी से उपलब्ध हैं। इस प्रतिस्पर्धात्मक युग में विद्यालय स्तर पर शिक्षक 'फैसिलिटेटर' के रूप में बच्चों के लिए कई अहम भूमिकाएँ निभा सकता है। शिक्षक की भूमिका केवल जानकारी देने वाले की नहीं, बल्कि सही दिशा दिखाने वाले की है।

जसवंत सिंह को सब डिपो प्रधान चुना

- लोहारू रोडवेज सब डिपो की नई कार्यकारिणी गठित, जसवंत सिंह चुने गए सब डिपो प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोहारू

शनिवार को रोडवेज सब डिपो परिसर में हरियाणा रोडवेज वर्कर यूनियर संबंधित सर्व कर्मचारी संघ की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। सर्व कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान नरेंद्र दिनोद की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया तथा जसवंत सिंह को सब डिपो प्रधान चुना गया।

इस दौरान नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जसवंत सिंह ने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वे बखूबी निर्वहन करेंगे। कार्यक्रम में संगठन के जिला प्रधान अनिल फौजी भी मौजूद रहे। अनिल फौजी और सुरेंद्र ढाणी टोडा ने बताया कि नई कार्यकारिणी के तहत जसंवत सिंह को लोहारू सब डिपो प्रधान, रमेश लांबा को उपप्रधान, जैनपाल को सचिव, दयानंद को कोषाध्यक्ष, सुरेंद्र झांझड़ा व नरेश को सह सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। नई कार्यकारिणी के सदस्यों का माला पहनाकर स्वागत किया गया। राज्य प्रधान नरेंद्र दिनोद ने कहा कि प्रदेश के रोडवेज कर्मचारी अपने हितों की मांग के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं लेकिन सरकार के कानों पर जूं तक नही रेंग रही।

उन्होंने चेतावनी भरे शब्दों में कहा कि यदि सरकार ने समय रहते रोडवेज कर्मचारियों की लंबित मांगों को पूरा नहीं किया तो रोडवेज कर्मचारी प्रदेश में चक्का जाम करने को मजबूर होंगे। इस मौके पर संजीत, मुकेश, विजयपाल, राजेश, सुमित, संदीप, वीरेंद्र, सतीश, सोमवीर, रामकुमार, जयसिंह, धर्मवीर सहित अनेक रोडवेज कर्मचारी उपस्थित थे।

लोहारू। लोहारू रोडवेज सब डिपो की नई कार्यकारिणी के सदस्य और पदाधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

फस्ट स्टेयर प्ले स्कूल में बैशाखी मनाई

- नन्हें-नन्हें बच्चों ने हरियाणा और पंजाब की पौशाकें पहनकर, ढोल और नगाड़े बजाकर व नाच गाकर खुशी मनाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

शंकर कालोनी स्थित फस्ट स्टेयर प्ले स्कूल में बैशाखी पर्व धूमधाम से मनाया। नन्हें-नन्हें बच्चों ने इस पर्व को हरियाणा और पंजाब की पौशाकें पहनकर, ढोल और नगाड़े बजाकर व नाच गाकर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। स्कूल निदेशक बलराज फौगाट ने बताया कि बैशाखी बैशाख मास का प्रथम दिन माना जाता है। यह त्योहार हिंदुओं और सिखों के प्रमुख त्योहारों में से एक है। यह त्योहार फसल कटाई के आगमन के रुप में मनाया जाता है। इसी दिन सन-1699 में सिखों के 10वें गुरु गोविंद सिंह ने 'खालसा पंथ' की स्थापना की थी। इसी दिन लोग विशेष प्रार्थना सभाओं में भाग लेने के लिए गुरुद्वारों में जाते हैं। इस दिन रात को लोग आग जलाकर उसके चारों तरफ घूमते हैं और भंगड़ा, गिद्दा आदि करते हैं। इस दिन लोग घरों में खीर-पूरी और मीठे चावल आदि पकवान बनाते हैं। यह खुशी का त्योहार लोगों को एक साथ रहने, भाईचारे और एकता का पाठ पढ़ाता है। इस अवसर पर फस्ट स्टेयर प्ले स्कूल के नन्हें-मुन्नें सभी बच्चे वन्दना, ज्योति मित्तल, निशा, मोनिका, टिना, गुंजन, ज्योति सिंधवानी और सोनिया मैडम आदि उपस्थित रहे।

सीबीएस स्कूल में हनुमान जयंती मनाई

- लगभग दोपहर 2 बजे तक चले इस कार्यक्रम में महिलाओं ने हनुमान भक्ति से जुड़े अनेक भजनों की प्रस्तुति दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

मौड़ी स्थित सीबीएस स्कूल में हनुमान जयंती पर सामूहिक भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मौड़ी, मकड़ानी, खोरड़ा, बलकरा, दूधवा सहित आसपास के गांवों की महिलाओं ने भाग लिया और भक्तिभाव से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना से की गई। तत्पश्चात भगवान हनुमान जी के समक्ष विधिवत पूजा कर सत्संग की शुरुआत हुई। सत्संग कार्यक्रम का संचालन चुन्नीलाल बंसल, सीताराम एवं नरेश के मार्गदर्शन में हुआ।

लगभग दोपहर 2 बजे तक चले इस कार्यक्रम में महिलाओं ने हनुमान भक्ति से जुड़े अनेक भजनों की प्रस्तुति दी और उन पर भावपूर्ण नृत्य भी किया। पूरे वातावरण में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास की भावना व्याप्त रही। भजनों से स्कूल परिसर में भक्तिरस का संचार हो गया। सत्संग का समापन हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ एवं आरती के साथ किया गया।

चरखी दादरी। स्कूल में भजन कीर्तन करती महिलाएं। *फोटो: हरिभूमि*

मिड डे मील वर्कर्स यूनियन ने शिक्षा मंत्री के नाम भेजा ज्ञापन

मांगों को लेकर मिड डे मील कर्मियों ने किया प्रदर्शन

- 12 महीने का वेतन व 26000 रूपये न्यूनतम देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

मिड डे मील वर्कर्स यूनियन हरियाणा, सम्बंधित सीटू के आह्वान पर केन्द्र सरकार का हिस्सा तुरंत जारी करने, 12 महीने का वेतन व 26000 रूपये न्यूनतम वेतन, 5 लाख रूपये रिटार्यमैंट लाभ, रिटार्यमैंट की उम्र 65 वर्ष करने, 2000 रूपये वर्दी भत्ता करने, पीएफ, ईएसआई लागू करने व पक्का कर्मचारी का दर्जा देने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया व जिला उपायुक्त के मार्फत शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन भेजा। आज के प्रदर्शन की अध्यक्षता अनिता ने की व संचालन सुदेश रिवासा ने किया। आज के प्रदर्शन को सीटू जिला सचिव कामरेड अनिल कुमार, सीटू जिला कोषाध्यक्ष कुलदीप बड़वा, जिला उपाध्यक्ष भीम सिंह, ने सम्बोधित किया।

भिवानी। 15 मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

परिवार चलाना हो गया मुश्किल

मिड डे मील कर्मीयों को सम्बोधित करते हुए सीटू व यूनियन नेताओं ने कहा कि भाजपा की केन्द्र व राज्य सरकार समाज के सबसे कमजोर हिस्से से आने वाली मिड डे मील कर्मीयों का भारी शोषण कर रही हैं। कमरतोड मंहगाई के कारण मिड डे मील कर्मीयों व आम जनता को परिवार चलाना मुश्किल हो गया हैं। पिछले दस वर्षो में पांच हजार सरकारी स्कूलों को बंद कर दिया गया जिसके कारण ना केवल मिड डे मील कर्मीयों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा हैं बल्कि गरीब बच्चों को शिक्षा से वंचित किया जा रहा है। मिड डे मील कर्मीयों को हर माह मानदेय देने की बजाये कई-कई महिनों तक मानदेय का इंतजार करना पड़ता हैं। लम्बे समय से मिड डे मील में काम कर रही कर्मियों को ना तो पीएफ, ईएसआई का लाभ मिलता हैं और ना ही रिटार्यमैंट बैनिफिट मिलता हैं। लम्बी लडाई के बाद सरकार ने मिड डे मील कर्मियों को 7000 रूपये मानदेय देना शुरू किया था। मगर अब केन्द्र व राज्य सरकार का अलग-अलग हिस्सा अलग-अलग समय पर मिलता हैं जिसके चलते मिड डे मील कर्मीयों को परेशानियों से गुजरना पड़ता है।

खबर संक्षेप

शहीद वीर हकीकत राय की स्मृति में सुंदरकांड पाठ आज

भिवानी। शहीद वीर हकीकत राय की स्मृति में जामपुर सेवा समिति रजि. द्वारा 13 अप्रैल को स्थानीय कृष्णा कॉलानी स्थित श्री धर्मचंद तीकिया सभागार में वैसाखी पर्व मनाया जाएगा। इस दौरान सांय साढ़े 4 बजे से साढ़े 7 बजे से सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा। जामपुर सेवा समिति के प्रधान गोपाल कृष्ण पोपली एवं महासचिव विनोद मिर्ग ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन तपोभूमि परमहंस योगाश्रम से स्वामी कृष्णानंद सरस्वती महाराज के सान्निध्य में आयोजित होगा।

जी लिट्रा खेल मैदान में होने वाली प्रतियोगिता स्थगित

भिवानी। आईसीएस कोचिंग द्वारा 11 से 17 अप्रैल तक भिवानी-हांसी रोड पर स्थित जी लिट्रा खेल मैदान में आयोजित करवाई जाने वाली 7 दिवसीय रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता मौसम व बारिश के कारण स्थगित कर दी गई है। अब यह सात दिवसीय प्रतियोगिता 18 अप्रैल से शुरू होंगी। आईसीएस तोशाम के इंचार्ज मनजीत सिंह ने बताया कि 7 दिवसीय रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता 11 अप्रैल से शुरू होनी थी, लेकिन तेज आंध व बारिश होने के कारण यह प्रतियोगिता स्थगित करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि बारिश के कारण खेल मैदान में पानी भर गया है तथा कीचडनुमा माहौल भी हो गया है। जिससे खेल संभव नहीं है।

जोगीवाला शिव मंदिर धाम में शिव के 11वें रुद्र अवतार हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया

बजरंग बली का जीवन शक्ति, भक्ति, सेवा व समर्पण का अनुपम उदाहरण : महंत वेदनाथ

सांसद धर्मबीर सिंह बोले- जैसे हनुमान जी भगवान श्रीराम के प्रति पूर्ण समर्पित थे, वैसे ही हमें भी अपने जीवन में निःस्वार्थ सेवा और श्रद्धा को अपनाना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

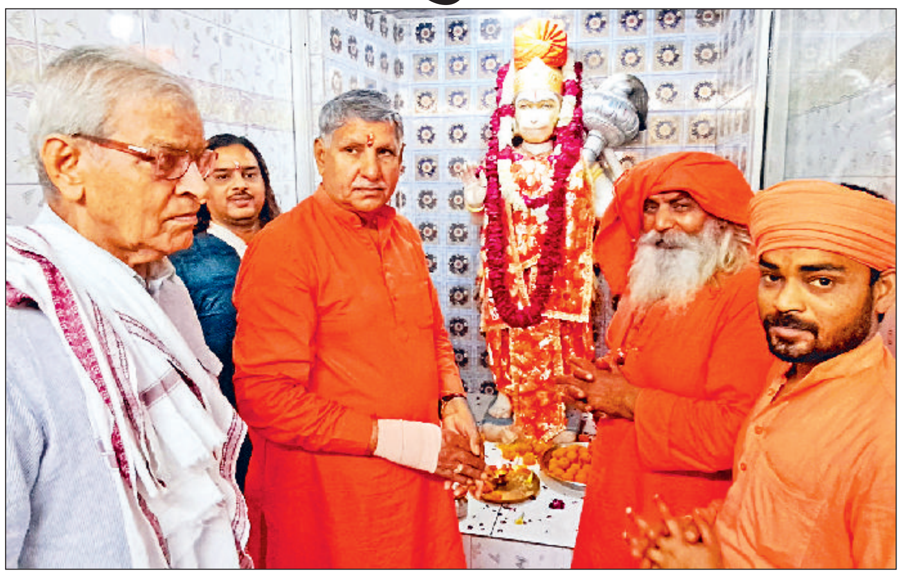
भिवानी। हनुमान जयंती पर पुष्प अर्पित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

जोगीवाला शिव मंदिर धाम में भगवान शिव के 11वें रुद्र अवतार, श्री हनुमान जी का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा भाव से मनाया गया। यह आयोजन सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय मूल्यों को समर्पित रहा। कार्यक्रम में भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम की शुरुआत महंत वेदनाथ के सानिध्य में हवन-यज्ञ और महामंत्रों के उच्चारण के साथ हुई। मंदिर परिसर में हनुमान जी की प्रतिमा का रुद्राभिषेक किया गया और उन्हें गंगाजल से स्नान करवाया गया। साथ ही मंदिर के महंत वेदनाथ महाराज ने श्रद्धालुओं को हनुमान जी के जीवन प्रसंगों से अवगत कराते हुए बताया कि किस प्रकार वह भगवान शिव के रुद्र रूप में अवतरित हुए थे। उन्होंने कहा कि हनुमान जी का जीवन शक्ति, भक्ति, सेवा और समर्पण का अनुपम उदाहरण है।

इस विशेष अवसर पर भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद धर्मवीर सिंह ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने भगवान हनुमान के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश देते हुए कहा कि जैसे हनुमान जी भगवान श्रीराम के प्रति पूर्ण समर्पित थे, वैसे ही हमें भी अपने जीवन में निःस्वार्थ सेवा और श्रद्धा को अपनाना चाहिए। सांसद धर्मवीर सिंह ने कहा कि देशभर में हनुमान जयंती मनाई जा रही है और हनुमान जन्मोत्सव पर यज्ञ हवन कर स्वच्छ पर्यावरण के लिए कामना की गई और हनुमान जी के जन्मोत्सव पर जल एवं पर्यावरण संरक्षण की अपील की गई है । सांसद धर्मवीर सिंह ने कहा कि भारत देश धर्म पर विश्वास रखने वाला है। उन्होंने कहा कि दुनिया का वातावरण खराब होता जा रहा है। हनुमान जयंती पर संदेश जाता है कि हमें कुछ समय धार्मिक स्थान के लिए निकालना चाहिए, ताकि हमारी आत्मा शुद्ध रहे, धार्मिक कार्यक्रमों से हमारे विचार सकारात्मक होते हैं। सांसद धर्मवीर सिंह ने कहा कि आज हवा पानी सब खराब हो रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी जी ने भी एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील की है ,सांसद ने कहा कि हमें पेड़ लगा कर नहीं छोड़ना, बल्कि उसका पालन पोषण करना है,क्योंकि दिन प्रतिदिन ग्लोबल वार्मिंग बढ़ती जा रही है। जिससे प्रदूषण की मात्रा अधिक बढ़ रही है और पेड़ पौधों की कटाई हो रही है ।पेड़ पौधे लगाए कम जा रहे हैं, इसलिए हमें हर उत्सव पर पेड़ पौधे लगाने चाहिए , ताकि हमारा पर्यावरण सही रहे, कहा कि चार-पांच दिन पहले भिवानी का वातावरण बिल्कुल खराब हो गया था। हवा कि गुणवत्ता 500 इंडेक्स पर पहुंच गई थी, जिससे सांस लेना भी दूभर हो गया था।

हालुवास मंदिर धाम में हनुमान जन्मोत्सव पर जागरण और भंडारे का किया आयोजन

भिवानी। गांव हालुवास स्थित हनुमान मंदिर धाम में शनिवार को हनुमान जन्मोत्सव पर जागरण एवं भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनेक श्रद्धालुगण मौजूद रहे तथा भगवान हनुमान की महिमा का गुणगान किया। का गुणगान किया और प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट की तरफ से समाजसेवी सुशील बुवानीवाला, आशीष बंसल, रमन जैन, पंकज गोयल, सुनील सर्राफ को बाबा का स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर समाजसेवी सुशील बुवानीवाला ने बताया कि चैत्र पूर्णिमा को हनुमान जन्मोत्सव को देश में बड़ी ही धूमधाम से मनाया जाता है और यह देश के लिए हर्षोल्लास का दिन है। उन्होंने कहा कि हनुमान जन्मोत्सव का दिन भगवान राम व हनुमान भक्तों के लिए सबसे शुभ दिन माना जाता है। उन्होंने कहा कि इस दिन हनुमान का पूजन करने से शनि प्रकोप से भी छुटकारा मिलता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन से एक तरफ जहां आत्मिक संतुष्टि मिलती है तो वही दूसरी तरफ सनातन धर्म को भी मजबूती मिलती है।

भक्त धन्ना ने अपने कर्म और भक्ति के माध्यम से दिया समानता, सच्चाई और सेवा का संदेश : बराला

भिवानी। भक्त शिरोमणि धन्ना की जयंती के उपलक्ष में 20 अप्रैल को पालवां (उचाना, जींद) में सर्वजातीय ब्राह्मण खाप द्वारा आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इसी कड़ी में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सुभाष बराला शनिवार को भिवानी पहुंचे तथा लोगों को कार्यक्रम में पहुंचने का निमंत्रण दिया। स्थानीय पंचायत भवन में आयोजित निमंत्रण कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने की तथा मंच का संचालन संदीप श्योराण ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने भक्त धन्ना के जीवन और शिक्षाओं को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि भक्त धन्ना ने अपने कर्म और भक्ति के माध्यम से समाज को समानता, सच्चाई और सेवा का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि धन्ना भगत ने जात-पात और ऊंच-नीच के भेदभाव को नकारते हुए यह सिद्ध किया कि भक्ति का मार्ग सभी के लिए समान है। बराला ने बताया कि 20 अप्रैल को होने वाले कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग भाग लेंगे और यह आयोजन आपसी भाईचारे और समरसता को मजबूत करने का कार्य करेगा। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए राज्यसभा सांसद ने कहा कि दिशाहीर व कमजोर कमजोर नेतृत्व के कारण कांग्रेस में अब इच्छा शक्ति भी नहीं बची है।

- 20 अप्रैल को पालवां (उचाना, जींद) में आयोजित होने वाले कार्यक्रम का दिया न्योता

कलश यात्रा निकालकर भक्ति रस में डूबा शहर

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा हनुमान जयंती पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भक्तजनों द्वारा ढाणी स्थित हनुमान मंदिर से क्लश यात्रा निकाली। क्लाश यात्रा में नवनियुक्त नपा चेयरमैन सुंदर अत्री, समाजसेवी मनीष शंकर भी पहुंचे और भक्तिमय रंग में सराबोर हो गए। चेयरमैन सुंदर अत्री ने बताया कि भगवान हनुमान को संकट मोचन यूं ही नहीं कहा जाता। इनकी जो भक्ति करता है वह भव से पार तर जाता है। वहीं दूसरी और विधायक कपूर वाल्मीकि भी संकट मोचन हनुमान मंदिर में पहुंचे और भगवान हनुमान का आशीर्वाद लिया। विधायक ने बताया कि वीर बजरंग बली को अनेकों नामों से जाना जाता है।

छात्रों ने किया संसद भवन का भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। संसद भवन का भ्रमण करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

प्राचार्या डॉक्टर निर्मला नीतू के कुशल निर्देशन में दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, भिवानी के विद्यार्थियों को शैक्षिक भ्रमण के लिए नई दिल्ली स्थित संसद भवन ले जाया गया। इस शैक्षिक भ्रमण में विद्यालय की शिक्षिकाओं सुनीता वर्मा और सुमित्रा सहित कक्षा 10वीं व 12वीं के 41 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भारतीय लोकतंत्र के प्रतीक संसद भवन का निरीक्षण किया। विद्यार्थियों को संसद भवन की भव्यता देखने और समझने का अवसर मिला । विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के साथ संसद भवन का सेंट्रल हॉल भी देखा जहां लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र आयोजित किए जाते हैं और जाना कि देश में कानून कैसे बनाए जाते हैं ।इस अवसर पर उन्हें नेतृत्व एशासन और नागरिक जिम्मेदारी के मूल्यों के बारे में जानने का भी सुनहरा अवसर मिला । विद्यार्थियों ने संविधान भवन में भारत के महान लोकतंत्र के प्रतीक संविधान को रखा हुआ भी देखा ।यह एक शैक्षिक भ्रमण से बढ़कर एक ऐसा अनुभव था जिसने देश के भावी कर्णधारों को बड़ा सपना देखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के संस्थापक प्रेमचंद गुप्ता एमपी से भी छात्रों ने भेंट की । जिन्होंने विद्यार्थियों के भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया और सस्नेह विद्यार्थियों को संसद भवन का चित्र छपे हुए उपहार भेंट किए और इस शैक्षिक भ्रमण को सफलतम व यादगार बना दिया।

दिनोद खेल नर्सरी में ट्रायल ली गई

भिवानी। ग्राम पंचायत दिनोद के द्वारा गांव की खेल नर्सरी में ट्रायल ली गई। इस ट्रायल में करीब 150 से 200 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। ट्रायल में 800 मीटर, 6गुणा 10 मी. स्टैल रैनिंग, वर्टिकल जम्प, 30 मीटर रैनिंग, ब्रोड जम्प आदि गतिविधियां करवाई गई। जिसमें 8 से 19 आयु वर्ग के लडक़े व लड़कियों ने भाग लिया। ट्रायल की अध्यक्षता सरपंच जयभगवान ने की और गांव के बुजुर्गों व युवाओं ने योगदान दिया। बच्चों की ट्रायल एथलेटिक्स कोच साई भागबीर व कोच राजेन्द्र कुमार बिसला द्वारा ली गई। सरपंच जयभगवान ने कहा कि इस प्रकार की खेल नर्सरी से गांव के बच्चों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त होगा।

महिला कॉलेज की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

- बार-बार अवगत करवाने के बावजूद भी महाविद्यालय की समस्याओं का नहीं हो रहा समाधान : लांग्यान

कस्बा बवानीखेड़ा स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान के नेतृत्व में एनएससूआई पदाधिकारियों एवं छात्राओं ने एक बार फिर से महाविद्याल प्राचार्य को मांगपत्र सौंपा तथा महिला महाविद्यालय की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग उठाई।

इस दौरान छात्राओं ने आरोप लगाया कि कॉलेज प्रशासन की विद्यार्थियों के प्रति लापरवाही उनकी पढ़ाई को बाधित कर रही है। इस दौरान एनएसयूआई पदाधिकारी व छात्राओं ने महाविद्यालय द्वार पर एक दिवसीय धरना दिया तथा बवानीखेड़ा विधायक व नगर परिषद चेयरमैन व शिक्षा विभाग के मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। मांगपत्र सौंपते हुए एनएसयूआई जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान ने कहा कि बवानीखेड़ा महिला महाविद्यालय में बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है, जिससे कि बंदरों द्वारा पीने के पानी को भी दूषित किया जाता है, जिसके कारण पीने के पानी की व्यवस्थ अच्छी नहीं है और साथ ही साथ बंदरों के कारण विद्यार्थियों में भी डर बना रहता है। परीक्षाओं के समय विद्यार्थियों के सामान रखने के लिए उचित व्यवस्था किए जाने, महाविद्यालय की टूटी चारदीवारी बनवाए जाने ताकि शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाया जा सकें, महाविद्यालय के प्रवेश द्वार के पास बने गंदे नाले को बंद करवाए जाने, महाविद्यालय में सामाजिक कार्यक्रमों के लिए चबूतरा बनवाए जाने, महाविद्यालय की लाइब्रेरी में वाई-फाई की सुविधा दिए जाने, टूटी खिड़कियों को ठीक करवाए जाने सहित अन्य मांगें उठाई है। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान ने कहा कि उपरोक्त समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर एनएसयूआई द्वारा पहले भी अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन बार-बार समस्याओं से अवगत करवाने के बाद भी आज तक कोई समाधान नहीं हुआ।

इस अवसर पर मोनिका, मनीष, ममता, रीतू, प्रियंका, प्रिया, रमित, सरोज, मनदीप, हरिदास मेहरा, वसीम, दीपक सहित अन्य पदाधिकारी व छात्राएं मौजूद रहे।

बच्चों को खेल-खेल में सिखाया पढ़ना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

एसडीएम डॉ अशवीर सिंह नैन के कुशल मार्गदर्शन में खेल खेल में बच्चों को पढ़ना सिखाया और महिलाओं को अनिमिया और कुपोषण से बचाव के लिए बेहतर नुक्शे दिए गए।

महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में गांव बुसान के प्ले स्कूल में रेडिनेस मेला लगाया। मेले में गांव की महिलाएं और बच्चे शामिल हुए। मेले का शुभारंभ सुपरवाइजर पंकज द्वारा किया गया। मेले का मुख्य उद्देश्य प्री स्कूल के स्तर पर बच्चों को शिक्षा सुनिश्चित करना है। यह कार्यक्रम,प्रौद्योगिकी,अभिसरण और सामुदायिक भागीदारी के उपयोग के माध्यम से लक्षित दृष्टिकोण के साथ बच्चों में अचेतनता,कुपोषण, एनीमिया और कम जन्म वजन के स्तर को कम करने का प्रयास करता है। साथ ही किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं पर भी ध्यान केंद्रित करता है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि इस अभियान के जरिये व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी व्यवहार में परिवर्तन लाना है।

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में श्री हनुमान जन्मोत्सव मनाया

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स विभाग एवं क्रीड़ा भारती के संयुक्त तत्वावधान में कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी की अध्यक्षता एवं डीन स्टूडेंट वेलफेयर के संयोजन में श्री हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम एवं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ भावना शर्मा ने प्रभात फेरी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कुलसचिव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हनुमान जी का जीवन प्रेरणादायक है क्योंकि उन्होंने अपने जीवन में समर्पण, साहस, धैर्य और बुद्धि का उपयोग करके हर मुश्किल परिस्थिति में सफलता हासिल की। उन्होंने अपने प्रभु श्रीराम के प्रति अटूट भक्ति और निष्ठा दिखाई और हमेशा सच्चाई और ईमानदारी के साथ कार्य किया। उन्होंने विद्यार्थियों को कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी एवं समस्त विश्वविद्यालय की ओर से श्री हनुमान जन्मोत्सव की हार्दिक बधाई दी। डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ सुरेश मलिक ने इस अवसर पर कहा कि हनुमान जी निस्वार्थ हमेशा अपने प्रभु श्रीराम की सेवा में लगे रहे, चाहे कोई भी परिस्थिति हो। हमें भी अपने कार्य और लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहना चाहिए। प्रो ललिता गुप्ता ने कहा कि हनुमान ने लंका में जाकर सीता जी की खोज की और समुद्र पार कर लिया, जो कि एक बहुत ही कठिन कार्य था।

वैश्य महाविद्यालय भिवानी में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे राज्यपाल

संस्कृति किसी भी राष्ट्र की आत्मा : दत्तात्रेय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि संस्कृति किसी भी राष्ट्र की आत्मा होती है। हमारी भारतीय संस्कृति विविधता में एकता का अद्भुत उदाहरण है जहाँ अलग-अलग भाषाएँ, पहनावे, रीति-रिवाज और परंपराएँ होते हुए भी हम सब एक अटूट सूत्र में बँधे हैं। आज के इस कार्यक्रम में भाग ले रहे विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता और ऊर्जा देखकर मुझे यह विश्वास होता है कि हमारा भविष्य सशक्त, संवेदनशील और सुसंस्कृत हाथों में है।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ केवल मनोरंजन का साधन नहीं होतीं, बल्कि ये हमारे व्यक्तित्व के समग्र विकास का माध्यम भी होती हैं। ये हमें आत्मविश्वास, नेतृत्व और सहयोग की भावना सिखाती हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व नव तकनीकी में भी अग्रणी रहकर देश को विकसित राष्ट्र व भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभा सकते है।

महामहिम राज्यपाल दत्तात्रेय शनिवार को वैश्य महाविद्यालय भिवानी में आयोजित राज्य स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री, भिवानी के विधायक धनश्याम सर्राफ,चौधरी बंसीलाल विवि भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ती धर्माणी, उपायुक्त महावीर कौशिक वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के प्रधान एडवोकेट शिवरतन गुप्ता एवं वैश्य महाविद्यालय प्रबंधक समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता, महासचिव डॉ पवन बुवानीवाला, उपाध्यक्ष सुरेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष बृजलाल सर्राफ व ट्रस्टी विजयकिशन अग्रवाल ने शिरकत की। समापन समारोह की विधिवत शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर की गई। महाविद्यालय के गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। समारोह में मंच का सफल संचालन समारोह के संयोजक महाविद्यालय के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. हरिकेश पंघाल एवं आयोजन सचिव स्वपोषित विभाग की डायरेक्टर डॉ प्रोमिला सुहाग ने किया।

मांगों को लेकर आयोजित की बैठक

भिवानी। मिड डे मील कार्यकर्ता यूनियन हरियाणा की मीटिंग बस अड्डे के सामने रोहतक पार्क में संपन्न हुई। मीटिंग का संचालन रिटायर्ड मुख्य अध्यापक सुबे सिंह जी ने किया मीटिंग में प्रांत के विभिन्न जिलों से मिड डे मील की कार्यकर्ताओं ने अपनी समस्याओं को रखा मिड डे मील कार्य करता यूनियन हरियाणा की महासचिव कुसुम पांचाल ने अपनी बात रखते हुए कहा की पटटी कल्याणा की मुख्य अध्यापिका जो तानाशाह परवर्ती की है मुझ पर झूठे आरोप लगाकर विभाग के अधिकारियों को गलत जानकारी देते हुए पुलिस से भी मिली भगत करके जबरदस्ती थाने में मेरे पति को भी गिरफ्तारी करवा कर मुझे स्कूल में न घुसने के लिए मजबूर किया गया जिसके मैंने लिखित में विभिन्न अधिकारियों को शिकायत की और निर्देशक को भी अपना अपील भेजी है ।

शिक्षा संस्कार चरित्र निर्माण
कोचिंग के क्षेत्र का बड़ा नाम.....
आर्यन कोचिंग सैन्टर
'विश्वास का दूसरा नाम'
नये बैच शुरू | 12th के बाद नौकरी-कॉमन बैच
C.E.T. | रेलवे
CUET | अग्निवीर
S.S.C. | Delhi Police
अनुभवी अध्यापक | नोटस पैकेज | शानदार रिजल्ट
पता : पारस वाली गली, नजदीक बस स्टैण्ड, च. दादरी
9050035973, 9812611926

जय हिन्द आयुर्वेद एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथी
भिवानी का पहला हेल्थ केयर जहां नाड़ी डिजिटल मशीन से देख कर रिपोर्ट कार्ड साथ दिया जाता है ताकि उचित इलाज किया जा सके।
- जैसे गाड़ी की सर्विस करवाते हो वैसे ही अपनी बॉडी की सर्विस करवाए ताकि बीमारी पास ही न आए।
- सभी बीमारियों का इलाज दवा से और बिना दवा के।
- लीपोमा की गांठ बिना ऑपरेशन इलाज।
- पीत पथरी, किडनी की पथरी,पेट की सभी बीमारी का इलाज।
- शुगर का इलाज,बवासीर और भगंदर का इलाज।
- औरतों की सभी बीमारी का इलाज।
- एक ही जगह सभी थैरपी फिजियो थैरपी, नाचरोथपी (मिट्टी पानी से इलाज), एक्यूप्रेशर थैरपी,कप थैरपी, योगा थैरपी, और बिना किसी साइड इफेक्ट के इलेक्ट्रो होम्योपैथी से सभी बीमारी का इलाज।
- सभी थेरेपी का डिप्लोमा और अनुभवी डॉक्टर द्वारा ट्रेनिंग दी जाती है।
- अपने बॉस खुद बने और बेरोजगारी से मुक्ति पाए महीने का 30/50 हजार कमाए खुद थेरेपिस्ट बने।
Dr. Krishan Singh
(Naturopath) (रिटायर्ड फौजी)
BEMS, DNYS (MD), D.Ay.A, D.ma.T, D.Ay, D.P.K., DPT
मकान न. 4, पटेल नगर, सीआईडी ऑफिस के सामने, भिवानी
सम्पर्क सूत्र: 6005452863

kaddam
Multispeciality Hospital
कदम मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल
(A 100 Beded fully NABH accredited Hospital)
PATIENT SAFETY & QUALITY OF CARE
NABH
ACCREDITED
सभी प्रबंधक सदस्य एवं समस्त कर्मचारीगण अत्यंत हर्ष एवं गर्व के साथ सूचित करते हैं कि कदम हॉस्पिटल अपनी छठवीं वर्षगाँठ मना रहा है।
यह सफर आपके विश्वास, सहयोग एवं हमारे समर्पण का प्रतीक है।
इन छह वर्षों में हमने चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की दिशा में निरंतर प्रयास किया है और समाज की सेवा करने का अपना संकल्प और भी मजबूत किया है।
6th ANNIVERSARY
हड्डी रोग व जोड़ प्रत्यारोपण
डॉ. प्रमोद कुमार आनंद M.B.B.S., M.S. (ORTHO)
डॉ. सत्यवीर सिंह धनखड़ M.B.B.S., M.S. (ORTHO)
डॉ. विवेक भारद्वाज M.B.B.S., M.S. (ORTHO)
24/7 EMERGENCY SERVICES
शिशु व बाल रोग
डॉ. साधना आनंद (M.B.B.S., D.C.H.)
नाक, कान व गला
डॉ. संदीप ढाका M.B.B.S., M.S. (ENT)
मेडिसिन विभाग
डॉ. नरेश कुमार M.B.B.S., M.D.
स्त्री व प्रसूति रोग
डॉ. सीमा भारद्वाज (M.S. Obs/Gyane)
दंत चिकित्सा
डॉ. शशी (B.D.S.)
अब हमारे पास उपलब्ध है 6 अनुभवी क्रिटिकल केयर कंसल्टेंट्स की विशेष टीम!
डॉ. मंदीप कुमार M.B.B.S., M.D., D.M. (Trauma & Critical Care)
डॉ. एल.बी. गुप्ता M.B.B.S., M.D. (Medicine)
डॉ. रुचिका अरोड़ा M.B.B.S., M.D. (Anesthesia)
डॉ. उदिता आनंद M.B.B.S., M.D. (Anesthesia)
हृदय रोग
डॉ. तेजवीर सिंह (D.M. Cardiology)
नेफ्रोलॉजी
डॉ. उमा शंकर भारद्वाज (D.M. Nephrology)
पैथोलॉजी
डॉ. शिल्पी गाबा (M.D. Pathology)
रेडियोलॉजी
डॉ. रजत गाबा (D.M.R.D., D.N.B. Radiology)
फिज़ीओथेरेपी
डॉ. संतोष कुमार (B.P.T., M.P.T.)
एनेस्थिसियोलॉजी
डॉ. संदीप कुमार M.D. (ANESTHESIA)
हरियाणा गवर्नमेंट व ECHS पैनल पर
जनरल सर्जरी
डॉ. नरोत्तम सिंह अर्गेल M.S. (Gen Surgery)
डॉ. दिव्याशा चोपड़ा M.S. (Gen Surgery)
सभी प्रमुख TPAs व आयुष्मान के तहत कैशलेस इलाज व ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध
navi insurance
SBI general INSURANCE SURAKSHA AUR BHAROSA DONO
Medi Assist
BAJAJ Allianz
FHPL
HDFC ERGO
FUTURE GENERALI TOTAL INSURANCE SOLUTIONS
digit
HEALTHINDIA
PARK
ADITYA BIRLA HEALTH
STAR Health Insurance
care HEALTH INSURANCE
ManipalCigna Health Insurance
Raksha TPA
Paramount Health
Universal Sompo General Insurance Co. Ltd.
MD india
niva Bupa Health Insurance
Chola MS
ICICI Lombard
हरियाणा सरकार, ECHS व सभी प्रमुख हैल्थ इन्श्योरेन्स के पैनल पर
पता: बैंक कॉलोनी, मिनी बाईपास, भिवानी | फ़ोन: 9518809328, 9992444995

विशेषः अप्रैल-तनाव जागरूकता माह

लाइफ में न रहे टेंशन सीखें स्ट्रेस मैनेजमेंट

आज के दौर में जिस तरह की लाइफस्टाइल हम सब जी रहे हैं, उसमें टेंशन से बचना तो बहुत मुश्किल है। लेकिन हम ऐसा जरूर कर सकते हैं, जिससे टेंशन हम पर हावी न हो। इसके लिए हमें स्ट्रेस मैनेजमेंट सीखना होगा। इसे सीखना बहुत कठिन नहीं है। यहां दिए जा रहे कुछ सजेशंस आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

वर्तमान समय में दुनिया के हर हिस्से में स्ट्रेस एक महामारी का रूप ले चुका है। आपा-धापी भरे आज के जीवन में हर आयुवर्ग के लोग तनाव के घेरे में हैं। तनाव की जकड़न बच्चों से लेकर बड़ों तक, बहुत सी शारीरिक और मानसिक समस्याओं का भी शिकार बना रही है। यही वजह है कि तनाव के कारणों, इससे बचाव और उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 1992 से हर वर्ष अप्रैल को तनाव जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। महीने भर स्ट्रेस से पैदा हो रहीं समस्याओं पर खुलकर बातचीत करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। तनाव के शिकार लोगों के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए जरूरी हो चला है कि स्ट्रेस मैनेजमेंट के लिए कुछ सहज सरल कदम हर कोई अपनाए।

तनाव को समझिए

सबसे पहले तो तनाव में घिरने की स्थिति को समझना आवश्यक है। आमतौर पर स्ट्रेस के कारण पैदा होने वाली गंभीर बीमारियों के जाल में फंसने से पहले तक स्ट्रेस को कोई परेशानी समझा ही नहीं जाता। जबकि स्ट्रेस के दुष्प्रभावों को समय रहते समझना ही इसके नेगेटिव असर से बचने की राह है। असल में स्ट्रेस को प्रबंधित करने का तरीका जानने के लिए भी इसका शिकार होने की स्थितियों को समझना आवश्यक है। यह समझ तनाव से निपटने के लिए स्वस्थ तरीके ढूंढ़ना भी आसान कर देती हैं। स्ट्रेस के कारण जानकर ही निवारण का मार्ग ढूंढ़ा जा सकता है। इसीलिए सबसे पहले उन ट्रिगर्स को पहचानें, जो तनाव पैदा करते हैं। उन बातों और हालातों को ट्रैक करते रहें, जब आप तनाव महसूस करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में अपनी प्रतिक्रिया पर भी नजर रखें, क्योंकि कई बार अपने गलत रिएक्शन या ओवर रिएक्ट करने से भी अपराधबोध और तनाव बढ़ता है। याद रहे कि खुद अपने मन को विचलित करने वाली स्वास्थ्य समस्या के कारणों को समझना उसके इलाज की राह बहुत आसान बना देता है।

स्वस्थ-सकारात्मक जीवनचर्या

जिंदगी की जुड़ी भाग-दौड़ के अलावा लाइफस्टाइल से जुड़ी गलतियां भी तनाव के घेरे में लाने का कारण बन रही हैं। सधी हुई दिनचर्या से कमोबेश हर उम्र के लोग दूर हुए हैं। जबकि समय पर काम ना निपटाने से लेकर सोने-जागने का सही रूटीन न रखने जैसी आम सी बातें भी इंसान के मन को स्ट्रेस का शिकार बनाती हैं। अस्त-व्यस्त रहना, अनचाहा सामान जमा करना, खुद अपनी चीजों की देखभाल न करना, नींद पूरी न होना, बुरी लत या कसरत ना करना। सब कुछ मन पर एक अनचाहा सा बोझ बढ़ाने वाला परिवेश बनाकर स्ट्रेस का कारण बन जाते हैं। तनाव की जकड़न वाली गंभीर स्थितियों में डॉक्टर की सलाह लेना आवश्यक है। संतुलित जीवनशैली, स्ट्रेस के जाल में फंसने ही नहीं देती। साथ ही अनुशासित जीवनशैली हमारे विचारों को भी सकारात्मक दिशा देती है। पॉजिटिव सोच, तकलीफदेह परिस्थिति में भी 'सब खत्म हो गया', 'अब कुछ नहीं हो सकता' जैसे नकारात्मक विचारों से बचाती है। असल में आशावादी मन, जीवन के हर उतार-चढ़ाव में एक नयापन ढूंढ़ता है। यह सोच कभी तनाव के घेरे में नहीं आने देती।

जीवन से जुड़िए

आज के दौर में स्क्रीन में गुम रहना हो या चाहे-अनचाहे खुद तक सिमट जाने की प्रवृत्ति, अकेलापन और सामाजिक जीवन से दूरी तनाव के सबसे बड़े कारणों में शामिल हैं। इंसान का जीवन भावनाओं और सामाजिक संबंधों से गहराई से जुड़ा हुआ है। अपनेपन से पोषण पाता है। स्नेह और साथ, मन को सुख देने वाले भाव हैं। यही वजह है कि सामाजिक गतिविधियों का सिमटना तनाव को विस्तार दे रहा है। आज के समय में जिंदगी में एक नीरसता और रूखापन भी आया है। दुनिया भर से जुड़े होने के मुगालते में इंसान खुद अपनी जिंदगी से दूर हुआ है। स्ट्रेस में घिरी मनःस्थिति को साझा करने के लिए भी अधिकतर लोगों के पास कोई विश्वसनीय साथी नहीं होता। जबकि स्ट्रेस मैनेजमेंट का सबसे अहम पहलू ही यही है कि मन-मस्तिष्क की ऊहापोह सुनने या सही सलाह देने के लिए कोई साथी जरूर हो। विश्वसनीय मित्र या परिजन ही ऐसा कर सकते हैं। अपनेपन की यह बुनियाद बनाने के लिए सामाजिक-पारिवारिक मेल-जोल आवश्यक है। *

इस वर्ष की थीम-लीड विद लव

स्ट्रेस प्रॉब्लम को लेकर जागरूकता लाने का एक अहम पहलू मित्रों, परिजनों, सहकर्मियों और पेशेवर लोगों के साथ अपनी मानसिक-भावनात्मक स्थिति के बारे में खुलकर बात करने का परिवेश बनाने से भी जुड़ा है। साथ ही इन दिनों तनाव के घेरे में फंसे अपनों-परायों का संबल बनने की अवेयरनेस लाने के प्रयास भी किए जाते हैं। साल 2025 के लिए तो तनाव जागरूकता माह की थीम ही 'लीड विद लव' है। यह विषय स्ट्रेस की समस्या को लेकर स्वयं अपने और दूसरों के साथ दया, करुणा और सहज स्वीकार्यता के साथ पेश आने पर केंद्रित है। 'प्यार के साथ नेतृत्व करें' का यह विचार तनाव के चलते बहुत सी चुनौतियों से जूझते हुए भी सकारात्मक बने रहने के भाव को पोसने वाला है। कठिनाई के बावजूद जीवन के प्रति सहज बने रहने का संदेश देता है। यह थीम अपने आप के लिए तनाव प्रबंधन हेतु सधी जीवनशैली, संतुलित भोजन, कसरत, योग, मेडिटेशन और खुले संवाद जैसे बदलावों को अपनाने की राह सुझाती है तो दूसरों के मन को समझने के लिए भी सजग करती है।

आधुनिकता, तकनीकी निर्भरता और स्वार्थपरता की वजह से वर्तमान समय में इंसानी समाज के सामने नैतिकता और भरोसे का संकट आ खड़ा हुआ है। बेहतर समाज के लिए जरूरी है कि इसके ग्राफ को गिरने से बचाए रखा जाए।

बेहतर समाज के लिए न गिरने दें नैतिकता-भरोसे का ग्राफ

सोशल बिहेवियर
यशोधरा भटनागर

कहते हैं, शेयर बाजार में कब कौन-सा स्टॉक ऊपर जाएगा और कौन-सा औंधे मुंह गिरेगा, यह कोई नहीं बता सकता। ठीक वैसे ही आजकल इंसानों का भी हाल हो गया है। किसी पर भरोसा करो तो हो सकता है कि वह अगले ही पल आपको ठगने का प्लान बना रहा हो। रिश्तों और भरोसे की कीमतें इस कदर अस्थिर हो गई हैं कि कौन कब नैतिकता के बाजार में दिवालिया हो जाए, इसका कोई भरोसा नहीं।

बदल गया है नजरियाः पहले के जमाने में इंसान अपने चरित्र और नैतिकता से पहचाना जाता था, लेकिन अब यह पहचान उसके बैंक बैलेंस, सोशल मीडिया स्टेटस और अवसरवादी सोच पर आधारित हो गई है। ईमानदारी और सच्चाई के शेयर दिन-ब-दिन गिरते जा रहे हैं, जबकि स्वार्थ, धोखाधड़ी और अवसरवाद के स्टॉक्स बुल मार्केट में है। अब रिश्ते भी शेयर बाजार की तरह हो गए हैं। अगर आपका कोई मित्र या रिश्तेदार आपसे जुड़ा हुआ है, तो यह मत समझिए कि वह आपके अच्छे स्वभाव और ईमानदारी की वजह से है। हो सकता है कि उसने सिर्फ इसलिए आपका साथ पकड़ा हो, क्योंकि वह आपसे कोई मुनाफा निकालना चाहता हो। जैसे ही उसे कोई बेहतर 'इन्वेस्टमेंट ऑप्शन' मिलेगा, वह अपना सारा इमोशनल कैपिटल निकाल कर कहीं और लगा देगा। आजकल दोस्ती और रिश्ते भी आई.पी.ओ. (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) की तरह होते हैं। पहले बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, भरोसे के लुभावने विज्ञापन दिए जाते हैं, और जैसे ही लोग इसमें निवेश करते हैं, धीरे-धीरे हकीकत सामने आने लगती है। कई दोस्त और रिश्तेदार सिर्फ तब तक साथ रहते हैं, जब तक उनकी 'रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट' अच्छी बनी रहती है। जैसे ही उन्हें लगता है कि अब यहां कोई फायदा नहीं बचा, वे अपने शेयर बेचकर कहीं और चले जाते हैं।

दिखावा हुआ महत्वपूर्णः इस नए दौर में दिखावा ही असली पूंजी बन गया है। लोग नैतिकता और ईमानदारी को कर्ज में डूबा हुआ शेयर मानते हैं, जबकि तड़क-भड़क और चालाकी का ग्राफ ऊपर चढ़ता जा रहा है। अगर आप सीधा-सादा जीवन जीते हैं और सच्चाई में विश्वास रखते हैं, तो आपको पुराने जमाने का 'लो वैल्यू स्टॉक' मान लिया जाएगा। लेकिन अगर आप थोड़े घमंडी, थोड़े धोखेबाज और बहुत बड़े दिखावटी हैं, तो आपको 'हाई ग्रोथ स्टॉक' माना जाएगा।

कम हुआ भरोसे का मानः आज की दुनिया में भरोसे का इंडेक्स इस कदर गिर चुका है कि आज किसी की बातों पर यकीन करना ही जोखिम भरा हो गया है। वायदा कारोबार की तरह, लोग बड़े-बड़े वादे तो कर लेते हैं, लेकिन जब डिलीवरी देने का समय आता है, तो 'मार्केट क्रैश' हो जाता है। कई दोस्त और रिश्तेदार इस दौर के 'इनसाइडर ट्रेडर' बन चुके हैं- बाहर से मासूम लगते हैं, लेकिन अंदर ही अंदर आपकी कीमत गिराने की साजिशें चल रही होती हैं। आजकल जब कोई आपसे बहुत मीठा बोलता है, तो यह समझने में देर नहीं लगती कि या तो वह आपसे कुछ उधार लेना चाहता है या फिर कोई और फायदा उठाने के लिए पास आ रहा है। यह दौर वही है, जहां दोस्ती भी 'मार्केट सिचुएशन' देखकर बनाई और तोड़ी जाती है।

विश्वसनीयता का संकटः सवाल है आज की दुनिया में नैतिकता, सच्चाई और अच्छाई का मूल्य आखिर इतना कम क्यों हो गया है? ऐसा नहीं है कि यह दुनिया शुरू से ही ऐसी थी। पहले लोगों की पूंजी उनका चरित्र हुआ करता था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब ईमानदार इंसान को 'अनप्रॉफिटेबल इन्वेस्टमेंट' मान लिया जाता है। किसी की मदद कर दो तो लोग सोचने लगते हैं कि इसमें आपकी क्या चाल है! आज के दौर में अगर आप बिना किसी स्वार्थ के किसी की मदद कर दें, तो सामने वाला शक की नजरों से देखने लगता है। लोग भरोसे की डीलिंग में इतने बार ठगे जा चुके होते हैं कि अब जल्दी किसी पर विश्वास करने से डरते हैं।

बनी रहे रिश्ते-भरोसे की गरिमाः अगर इंसान इसी राह पर चलता रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब नैतिकता और मूल्यों की बाजार में कोई खरीद-फरोख्त नहीं बचेगी। लोग केवल दिखावे और मुनाफे के स्टॉक्स में निवेश करेंगे, और इंसानियत का सेंसेक्स हमेशा के लिए क्रैश हो जाएगा। इसलिए जरूरी है कि हम सिर्फ मुनाफे और अवसर के व्यापारी न बनें, बल्कि ऐसे निवेशक बनें जो रिश्तों और भरोसे के ब्लू-चिप स्टॉक्स में लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट करें। तभी समाज का शेयर बाजार स्थिर रहेगा और नैतिकता का ग्राफ फिर से ऊपर जाएगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

शैलेंद्र का गीतों भरा जीवन

अपने छोटे से जीवन में ही गीतकार शैलेंद्र ने ऐसे यादगार और शानदार गीत रचे, जो आज भी लोगों की जुबान पर हैं। उनके फिल्मी, गैर फिल्मी गीतों के साथ ही उनके जीवन के तमाम अनछुए पहलुओं पर रोशनी डालती है किताब 'सजनवा बैरी हो गये हमार-गीतकार शैलेंद्र का जीवन और लेखन', जिसे लिखा है, चर्चित फिल्म समीक्षक और लेखक जय सिंह ने। इस किताब से गुजरते हुए हम शैलेंद्र के जीवन में आए तमाम उतार-चढ़ावों से रूबरू हो सकते हैं। परिश्रम से लिखी गई इस किताब में शैलेंद्र के जीवन से जुड़े कई रोचक और मार्मिक किस्सों को पूरी प्रामाणिकता के साथ संजोया गया है। जीवन के हर रंग और गहन दर्शन को सरल शब्दों में पिरोने वाले शैलेंद्र के बारे में इरशाद कामिल ने पुस्तक की भूमिका में सही ही लिखा है, 'शैलेंद्र शब्दों का शिल्प जानता था, कविता की कला जानता था, भावनाओं के सागर की गहराई जानता था और लोगों के दिलों तक पहुंचने का रास्ता जानता था।' *

पुस्तकः सजनवा बैरी हो गये हमार, लेखकः जय सिंह, मूल्यः 250 रुपए, प्रकाशकः वाम प्रकाशन, नई दिल्ली

सुबह का भूला

कई बार हम किसी दंभ में जीते हुए अपनों से दूर हो जाते हैं। उम्र के एक पड़ाव पर आकर हमें अपनों की जरूरत महसूस होती है, किसी विपदा में तो और भी ज्यादा, लेकिन तब तक बहुत दूरियां बन चुकी होती हैं, रिश्ते मुरझा चुके होते हैं। जीवन की विसंगति को प्रकट करती कहानी।

कहानी / संजय मृदुल

फाइव स्टार होटल जैसा बड़ा हॉस्पिटल, लॉबी में भीड़-भाड़ के बीच कॉफी शॉप की एक टेबल पर अल्पना अकेली बैठी थी। कॉफी से उठता धुआं अल्पना की आंखों में भर रहा था। अल्पना के चेहरे पर तनाव झलक रहा था। हॉस्पिटल का माहौल ऐसा होता ही है कि अच्छे-भले इंसान का दिल बैठ जाए। वार्डों में कहीं पट्टियों में लिपटे मरीज, किसी बिस्तर पर आंख बंद कर लेटे हुए इंसान के सिर के बाजू रखी मशीन की डरावनी आवाज। आईसीयू के बाहर बैठे परिवारजनों के चेहरे पर किसी आस के भाव, तो किसी की आंखों में निराशा की झलक। अल्पना का यह पहला अवसर था, जब उसे अस्पताल में एक जगह से दूसरी जगह भाग-दौड़ करनी पड़ रही थी।

उधर अल्पना के पिता जी का ऑपरेशन चल रहा था। उन्हें दो दिन पहले सुबह-सुबह सीने में दर्द उठा। अल्पना ने नौकर की मदद से जैसे-तैसे कार से लाकर उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती किया। पता चला धमनियों में ब्लॉकेज है। तात्कालिक उपचार और जाने कितने टेस्ट के बाद आज ऑपरेशन हो रहा है।

अल्पना को समझ में नहीं आ रहा है, किसे कॉल करें। खुद पर उसे भरोसा नहीं हो रहा था कि वह सब संभाल पाएगी। जितने भी रिश्तेदार हैं शहर में, उनसे बस औपचारिक-सा रिश्ता है। न वो किसी के घर जाती है, न ही कोई उसके घर आता है। मन में एक ख्याल यह भी आ रहा था कि अकेले ही संभालना ठीक है, क्यों किसी का एहसान लिया जाए।

इसी ऊहापोह में अल्पना ने बैठे-बैठे कुछ लोगों को पिता जी के बारे में बताने के लिए कॉल किया। मामा जी, चाचा जी, मौसा जी जैसे निकट के रिश्तदारों को। सबने आश्चर्य जताया, सहानुभूति दिखाई और जरूरत पड़े तो बताना जैसे वाक्य बोल इतिश्री कर ली। पिता जी के चचेरे भाई को लगा, पैसे न मांग लें तो वो बिना कुछ कहे पैसों का दुखड़ा रोने लगे।

अल्पना को न पैसों की जरूरत थी न ही भीड़ की, उसे लग रहा था कि कोई होता यहां, जो उसकी हिम्मत बढ़ाता, उसका हाथ थामता, उसका अकेलापन बांटता। मुश्किल की इस घड़ी में उसे कोई ऐसा नजर नहीं आया, जो उसका साथ देता।

गलती किसकी है? अल्पना सोचती रही-हम ही तो समय, व्यस्तता के बहाने बनाकर लोगों से दूरी बना लेते हैं। न किसी के घर जाना, न किसी को बुलाना। सोशल मीडिया में भीड़ वाली लिस्ट में लोगों से जुड़े रहना और जीवन में तन्हा रहना, यही आज की कड़वी सच्चाई है।

पद-प्रतिष्ठा के रुआब में अकड़े हुए, शहर-शहर भटकते हुए जीवन बिता देने वाले उसके पिता ने न कभी रिश्ते जोड़े, न परिवार को जुड़ने दिया। मां भी अपने पति की ऐसी आज्ञाकारी थीं कि जैसा पति ने कहा, वही पत्थर की लकीर बन गया। न मायके में संबंध बनाए रखा, न ससुराल में नाता जोड़ पाईं वह। अल्पना सबको बस या तो नाम से जानती थी या पुरानी अलबम में देखी तस्वीरों से। जब पिता जी के रिटायर होने का समय आया तो उन्हें अपना शहर याद आया। आता भी क्यों नहीं, सारा जीवन अलग-अलग शहरों में घूमने के बाद कहीं तो ठिकाना बनाना था। फिर मां भी नहीं हैं, उनके साथ। भाग-दौड़ के बीच एक दिन मां दुनिया छोड़ कर चली गई थीं। हमेशा खामोश रहने वाली मां ने न अपनी बीमारी बताई, न मन में भरा हुआ बारूद खाली कर पाई। पति के अफसर वाले व्यवहार को झेलती-सहती एक रात वह जो सोईं तो सुबह उठी ही नहीं। अल्पना भी पढ़ाई के बाद पुणे में नौकरी कर रही है। छुट्टियों में आती है तो पिता जी के ढेर काम इकट्ठा होते हैं। रिटायर होने के बाद भी उनका व्यवहार अफसर वाला ही है। पिता कम अफसर ज्यादा लगते हैं वह। तीन-चार दिन की छुट्टियों में पिता जी को केवल काम याद रहता है। ऐसा नहीं कि बैठ कर मन की बातें करें, उसके भविष्य की प्लानिंग पूछें। मां को याद कर लें। बचपन में अल्पना सोचती थी, पिता कभी और लोगों की तरह नॉर्मल क्यों नहीं रहते? उसकी सहेलियों के पिताओं की तरह क्यों उसे लाड नहीं करते?

अल्पना को आज लग रहा था, कितनी बड़ी गलती की उन्होंने। सभी इसी शहर में रहते हैं, बुआ, चाचा, उनका परिवार, लेकिन आज कोई उसके साथ नहीं है। किसे फिक्र है उसकी? किसी ने भी उससे नहीं कहा, 'तुम चिंता मत करो, हम हैं ना।'

कॉफी के मग से उठते धुएं के बीच अल्पना सोचती है कि यह पिता जी की गलती सुधारने का सही मौका है। लेकिन यह भी भय था कि सब ऐसा न समझें कि मतलब पड़ा, तो सबसे संबंध जोड़ रही है वह। बड़ी हिम्मत कर अल्पना ने परिवार के व्हाट्स एप ग्रुप में स्थिति बयान की और सबसे माफी मांगते हुए निवेदन किया कि बीती बातों को भुलाकर पिता जी और उसे मौका दें फिर से जुड़ने का। आज जब उसके ऊपर परेशानी आई है तो उसके साथ खड़े हों, उसका हाथ थाम कर उसे संभालें। अब सबकी मर्जी चाहे अवसर दें या ठुकरा दें। अल्पना को उम्मीद थी, जब सुबह का भूला शाम को घर आना चाह रहा है, कोई तो दरवाजा खोलेगा। *

विज्ञापन

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

बैसाख माह में भारत की विभिन्न नदियों के किनारे लगने वाले मेले धार्मिक आस्था, कृषि परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर का संगम हैं। गंगा, यमुना, नर्मदा, गोदावरी, कावेरी और ब्रह्मपुत्र तट पर लगने वाले ये मेले बहुत धार्मिक महत्व रखते हैं। इन बैसाख मेलों की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परंपराओं पर एक नजर।

नदियों किनारे लगने वाले बैसाख मेले

मनमोहक धार्मिक-सांस्कृतिक छटा

पर्व-परंपरा / धीरज बसाक

भारत में सदियों से जीवन जीने का ढंग महज भौतिक नहीं रहा यानी खाने-पीने और आराम करने तक ही सीमित नहीं रहा। हमारे यहां जीवन प्रकृति, मौसम, धर्म और संस्कृति के खूबसूरत तालमेल का हिस्सा रहा है। यही वजह है कि प्राचीनकाल में हमारे यहां कोई भी मौसम आपदा या परेशानी का सबब नहीं माना जाता था, बल्कि सभी मौसम अपनी-अपनी तरह के उल्लास का स्रोत माने जाते रहे हैं।

प्राकृतिक बदलाव का स्वागत-पर्व: हमारे यहां रोजमर्रा के जीवन में, हर मौसम के साथ दोस्ती करने, उसके साथ जीवंत तालमेल बनाने की बकायदा जीवनशैली रही है। हम हर मौसम का उसके आने के पहले अपनी ऐसी ही धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के जरिए स्वागत करते रहे हैं। उसके साथ तालमेल बिठाते रहे हैं, इस कारण हमारे यहां परंपराओं के नाम पर हर मौसम के अनुकूल उल्लास की चुनी और बुनी हुई गतिविधियां मौजूद रही हैं। यही वजह है कि बसंत ऋतु को विदा देने वाले और घनघोर गर्मियों की तरफ कदम बढ़ाने वाले बैसाख माह में सदियों से हमारे यहां नदियों के किनारे बकायदा उल्लास भरे सांस्कृतिक मेले लगते रहे हैं।

नदियों किनारे लगते हैं मेले: हालांकि अब इन परंपरा को ढोने वाले मेलों में वह जीवंतता, लोगों की वह चुंबकीय भागीदारी नहीं बची, जो इन्हें उल्लास का कारक बनाती हैं। लेकिन आज भी बैसाख महीने में भारत की सभी बड़ी नदियों के किनारे किसी न किसी रूप में ये बैसाख मेले लगते हैं, जो हमें किसी हद तक हमारी धार्मिक आस्था, कृषि पर्व, और लोक-संस्कृति से जोड़ते हैं।

हरिद्वार-प्रयाग-काशी के बैसाख मेले: हरिद्वार में हर की पैड़ी और सप्तऋषि घाट, प्रयागराज में संगम के किनारे और वाराणसी में वृंदावन घाट, गांव के किनारे बैसाख मेले लगते हैं। गंगा नदी प्राचीन काल से हमारी सनातन आस्था और संस्कृति के केंद्र में रही है। इसके किनारे बसे महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक शहरों हरिद्वार, प्रयागराज और काशी या वाराणसी में हर साल बैसाख माह में मेले लगते रहे हैं। आज भी प्रतीक रूप में बचे इन मेलों में लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। इनकी प्रमुख गतिविधियों में गंगा आरती, भजन-कीर्तन और दान-पुण्य होता है। इस दौरान यहां संतों के प्रवचन और वैदिक अनुष्ठान भी होते हैं। वाराणसी में विशेष तौर पर क्षेत्रीय हस्तशिल्प, खान-पान, और पारंपरिक वस्त्रों के स्टॉल लगते हैं। यहां मेला मुख्य रूप से पंचकोशी परिक्रमा मार्ग पर स्थित वृंदावन गांव में लगता है, जो वाराणसी शहर से लगभग 10-12 किलोमीटर की दूरी पर है।

पंजाब में बैसाखी पर गिद्दा करती महिलाएं

बैसाखी मेले पर वृंदावन में कृष्णलीला का मंचन

तिरुचिरापल्ली में श्रीरंगनाथस्वामी मंदिर

कामाख्या मंदिर में बैसाखी मेले पर उमड़े श्रद्धालु

मान्यता है कि बैसाख माह में यहां यानी वृंदावन सरोवर घाट में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। यहां बैसाख मेले में स्थानीय कलाकारों द्वारा लोकगीत, नाटक, और भजन-कीर्तन किए जाते हैं। इससे यह एक सांस्कृतिक उत्सव बन जाता है।

पंजाब में बैसाखी मेले: बैसाखी का पर्व, सिख और पंजाबी समुदाय के लिए कई वजहों से बहुत महत्वपूर्ण है। वैसे यह फसल कटाई का त्योहार माना जाता है, लेकिन इसी दिन सन 1699 में गुरु गोविंद सिंह जी ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी। इसलिए पंजाब में यह पवित्र पर्व नदियों और सरोवरों के किनारे लगने वाले मेलों के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गुरुद्वारों में विशेष कीर्तन और लंगर होता है। लोग खुशी व्यक्त करने के लिए पारंपरिक भांगड़ा-गिद्दा नृत्य करते हैं। स्वर्ण मंदिर (अमृतसर) और आनंदपुर साहिब में भव्य आयोजन होते हैं। हालांकि स्वर्ण मंदिर सीधे किसी नदी किनारे स्थित नहीं है। इसके कुछ किलोमीटर दूर कालीबेई और रावी नदी बहती हैं जबकि आनंदपुर साहिब सतलुज की सहायक नदी सिरसा के तट पर स्थित है, जहां बैसाख मेले की खूब रौनक सजती है। बैसाखी का दिन रबी फसल (गेहूं) की कटाई के बाद किसानों के लिए खुशियों का अवसर होता है। किसान नई फसल का उत्सव मनाते हैं।

मथुरा-वृंदावन में बैसाख मेला: विश्राम घाट, मथुरा और कोशी घाट, वृंदावन में आयोजित बैसाख मेलों के दौरान भगवान कृष्ण से जुड़ी कथाओं का मंचन और झांकी निकाली जाती हैं। लोग यमुना नदी में स्नान करते हैं और विशेष पूजा-अर्चना करते हैं।

नासिक का बैसाख मेला: बैसाखी मेला नासिक के पंचवटी क्षेत्र में रामकुंड में आयोजित होता है। श्रद्धालु यहां दूर-दूर से स्नान करने आते हैं। इस पूरे मेले वाले दिन यहां महाराष्ट्र की लोकसंस्कृति के साथ-साथ भजन और कीर्तन का आयोजन होता है।

नर्मदा तट पर मेला: बैसाखी के दिन नर्मदा उद्गम स्थल, अमरकंटक में श्रद्धालु पवित्र नर्मदा नदी में स्नान और धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। बड़े पैमाने पर इस स्नान के लिए यहां देशभर से साधु-संत आते हैं। शाम को नर्मदा नदी की आरती होती है। अमरकंटक के अलावा होशंगाबाद के सेठानी घाट पर भी बैसाखी मेला लगता है।

कावेरी तट पर मेला: बैसाखी के दिन कर्नाटक और तमिलनाडु में बहने वाली पवित्र कावेरी और इसकी सहायक नदियों के किनारे बसे तिरुचिरापल्ली, कुंभकोणम और मैसूर शहर में विशेष बैसाखी मेले आयोजित होते हैं। तिरुचिरापल्ली में स्थित श्रीरंगनाथस्वामी मंदिर में इस दिन विशेष पूजन और उत्सव संपन्न होता है। कुंभकोणम में भी इस दिन पारंपरिक द्रविड़ शैली की भव्य झांकियां निकलती हैं। इसके साथ ही कावेरी के तट पर वैष्णव भक्तों का हुजूम उमड़ता है और भक्ति संगीत की त्रिवेणी बहती है।

ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर बैसाखी मेला: कामाख्या मंदिर, गुवाहाटी में इस मेले के दौरान विशेष अनुष्ठान संपन्न होते हैं। इन अनुष्ठानों में तांत्रिक परंपराओं का पालन होता है। जिसमें असमिया लोक संस्कृति और बिहू नृत्य का प्रदर्शन होता है।

बिहार-झारखंड के बैसाख मेले: बिहार में सोनपुर का और झारखंड में गुमला स्थित रामरेखा धाम का बैसाख मेला बहुत प्रसिद्ध हैं। गंडक और गंगा के संगम में सोनपुर का यह मेला ऐतिहासिक हरिहरनाथ मंदिर से जुड़ा हुआ है। इस मेले में लोकनृत्य, पारंपरिक झूमर नृत्य का विशेष प्रदर्शन होता है। *

दूसरों को उपदेश देना सामान्य मानवीय स्वभाव है। जब से सोशल मीडिया का ट्रेंड बढ़ा है, दूसरों को उपदेश देने वालों की बाढ़ आ गई है। लेकिन ऐसा बार-बार करने से घर के सदस्य हों या बाहर के लोग, आपसे दूरी बनाना शुरू कर सकते हैं।

सही नहीं हर किसी को

अनावश्यक उपदेश देना

बिहेवियर

विवेक कुमार

इन दिनों सोशल मीडिया पर हेल्थ रिलेटेड कई इंफ्लूएंसर यह शिकायत कर रहे हैं कि अब लोग उनकी टिप्स पर उतना ध्यान नहीं देते, जितना पहले दिया करते थे। दरअसल, इसकी वजह उनका लगातार उपदेश देते रहना है। यह विभिन्न शोध अध्ययनों से स्पष्ट हो गया है कि लोग एक हद तक ही किसी से ज्ञान ले सकते हैं या उनके उपदेश सुन सकते हैं। एक सीमा के बाद लोग ऊब जाते हैं, क्योंकि हर कोई अपनी सोच और फैसलों में आजादी चाहता है, जबकि उपदेश देने वाला हर हाल में उसे अपना फॉलोअर बनाना चाहता है।

संभव नहीं हमेशा सुनना: उपदेशों में आमतौर पर संवाद एकतरफा हो जाते हैं और सामने वाला सिर्फ सुनने को मजबूर हो जाता है। इसलिए एक न एक दिन वह उपदेशों से दूरी बनाने लगता है। यह बात सिर्फ बाहर ही नहीं घर-परिवार में भी लागू होती है। जिन बच्चों को मां-बाप कुछ न कुछ सिखाते रहते है यानी, उपदेश देते रहते हैं, वे बच्चे अकसर इन उपदेशों से किसी न किसी दिन बगावत कर देते हैं।

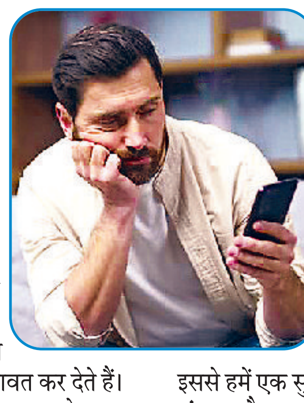

सोशल मीडिया से बढ़ा ट्रेंड: ज्यादा उपदेश सुनना किसी को पसंद नहीं होता, यह बात जानने-समझने के बावजूद आज सोशल मीडिया में हर तरफ, हर कोई उपदेश ही देते मिलता है। लोग अब सिर्फ बातें ही नहीं सिखाते बल्कि अपनी बात मनवाने के तमाम तर्क देते हैं, अपनी बताई दिशा में धकेलने का पूरा प्रयास करते हैं। ऐसा करना अनुचित है। लेकिन हमारे इर्द-गिर्द हर क्षेत्र के ढेरों तथाकथित विशेषज्ञ हो गए हैं, जो किसी भी शर्त पर हमारा मार्गदर्शन करने से चूकना नहीं चाहते। ऐसे लोगों के दिलो-दिमाग में हर समय उपदेश कुलबुलाते रहते हैं और वे यही चाहते हैं कि जैसे ही कोई मिले वह उन पर ये उपदेश उड़ेल दें।

हर कहीं मौजूद उपदेशक: आज के दौर में हमारे इर्द-गिर्द ऐसे उपदेशकों की भरमार है। टेलीविजन चैनल पर दिन-रात विशेषज्ञों और मार्गदर्शकों के उपदेश प्रसारित होते हैं। बहुत सारी सेल्फ हेल्प बुक्स हैं, उनमें उपदेशों की भरमार होती है। यहां तक कि बाजार में सब्जी या कोई सामान खरीदने जाएं तो वहां पर भी आपको ऐसे उपदेश सुनने को मिल सकते हैं। मसलन, आपने दुकान वाले को 50 की बजाय 100 रुपए का नोट थमा दिया और वह आपके पैसे वापस करता है तो भी उपदेश के साथ, जो वह ईमानदारी पर देता है और आपको उपदेश पर उसकी सारी बातें सुननी पड़ती हैं। घर आकर आपको लगता है कि कितना अच्छा होता वह आपको 50 रुपए भले वापस न करता, आपको इतने उपदेश तो न सुनने पड़ते।

मिलती है संतुष्टि: उपदेशक बनने में एक संतुष्टि मिलती है। आपने कोई अच्छी किताब पढ़ी या आपको कोई उक्ति कोट करने लायक लगती है तो आप जो कुछ सीखते हैं, उसे दूसरों को भी शेयर करते हैं, ऐसे में आप भी तो उपदेशक ही हुए न! उस समय आपको लगता है कि आप जो कह रहे हैं, वह सही है और आपने ऐसी बात कहकर जीवन में किसी को कुछ तो सिखाया है और आपको भी यह विश्वास हो जाता है कि दिल को अच्छी लगने वाली बातों को हम दूसरों से भी शेयर करें। दूसरों से जब हम शेयर करते हैं और वे भी हमारी बात से सहमत होते हैं तो इससे हमें एक सुख मिलता है।

संतुलन है जरूरी: हम आज ऐसी दुनिया में रह रहे हैं, जहां पर चारों ओर अच्छे विचारों और सलाहों के स्वर गूंज रहे हैं। यह अनुचित तभी होगा, अगर हम जबर्दस्ती दूसरों को उपदेश दें। हम एक-दूसरे को सलाह देते हैं कि हमें किसी भी सवाल का जवाब सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए। लेकिन हममें से कितने ऐसे लोग हैं, जो अपनी किसी भी समस्या या प्रश्न के बारे में अपने आपसे पूछते हैं? हम हमेशा उसके समाधान के लिए दूसरों का मुंह ताकते हैं। इसलिए किसी को सलाह देना गलत नहीं है, लेकिन किसी को सही समय पर ही सलाह देनी चाहिए, सही जगह और सही नजरिए के साथ। जरूरत इस बात की है, हमें इसमें संतुलन बनाकर रखना चाहिए। जो आपसे सलाह या मार्गदर्शन मांगे, उसे जरूर दें। लेकिन जिसे आपके उपदेशों में रुचि नहीं है या किसी को अपना फॉलोअर बनाने के लिए दबाव डालना उचित नहीं है। *

टेक्नो ट्रेंड

नरेंद्र शर्मा

अगर आप सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं, तो 'घिब्ली स्टाइल' के ट्रेंड से जरूर वाकिफ होंगे। क्या है घिब्ली स्टाइल, यह कहां से शुरू हुआ, क्यों हो रहा इतना वायरल? आप जरूर जानना चाहेंगे।

सोशल मीडिया का नया टाइम पास घिब्ली स्टाइल

इंटरनेट और सोशल मीडिया पर आए दिन कोई-न-कोई फीचर या एप ट्रेंड करता रहता है। ऐसा ही एक ट्रेंड पिछले कुछ दिनों से इंटरनेट की दुनिया में छाया हुआ है, जिसका नाम है-घिब्ली स्टाइल। आपमें से कई लोगों ने अपनी और अपनों की फोटोज को घिब्ली स्टाइल में क्रिएट कर एंज्वॉय भी किया होगा।

क्या है घिब्ली स्टाइल: यह एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित टूल है, जो एडवांस्ड इमेज प्रोसेसिंग तकनीक के माध्यम से तस्वीरों को री-क्रिएट करता है। इस टूल के माध्यम से आप अपनी किसी भी तस्वीर को क्लासिक एनिमेशन स्टाइल तस्वीर में बदल सकते हैं। वैसे मूल 'घिब्ली' का शाब्दिक अर्थ है, रेगिस्तान में चलने वाली गर्म हवा। लेकिन इंटरनेट पर वायरल हो रहे 'घिब्ली स्टाइल' तस्वीरों के ट्रेंड्स को देखते हुए कह सकते हैं कि 'घिब्ली' से आशय हाथ से बनाई गई कार्टून तस्वीरों, समृद्ध जलरंग और एक्रेलिक पेंट्स और डिटेल्ड बैकग्राउंड वाली डिजाइन से है।

कैसे वायरल हुआ यह ट्रेंड: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी 'ओपन एआई' ने 25 मार्च, 2025 को अपने चैट जीपीटी 4 ओ मॉडल में एक नए इमेज जनरेशन फीचर 'घिब्ली स्टाइल' की घोषणा की, जिसके जरिए यूजर्स अपनी तस्वीरों के साथ अनोखे एक्सपेरिमेंट्स कर सकते हैं। सिएटल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर ग्रांट स्लैटन ने उसी दिन अपनी पत्नी और डॉगी के साथ समुद्र तट पर ली गई एक तस्वीर को 'घिब्ली' शैली में परिवर्तित करके अपने एक्स एकाउंट पर पोस्ट कर दिया। देखते ही देखते सोशल मीडिया में न केवल इस तस्वीर को लाइक करने वाले लोगों की संख्या लाखों में पहुंच गई, बल्कि लोग खुद भी अपनी तस्वीरें घिब्ली स्टूडियो शैली में जनरेट करके अपलोड करने लगे और इस वजह से इस ट्रेंड की बाढ़ आ गई।

जापानी स्टूडियो की देन: 'घिब्ली' वास्तव में एक जापानी एनिमेशन स्टूडियो का नाम है, जिसे हायाओ मियाजाकी और इसाओ ताकाहाता ने 1985 में स्थापित किया था। इस स्टूडियो ने अपनी अनूठी कला शैली विकसित की है। इस कला शैली की कुछ खासियतें हैं, जैसे यह शैली बेहद भावनात्मक, सजीव और प्रकृति से गहराई से जुड़ी हुई विजुअल्स निर्मित करती है। इसमें अद्भुत कल्पनाशीलता का विस्तार है, जैसे उड़ते हुए महल, बोलते हुए जानवर और ऐसी ही सम्मोहक जादुई दुनिया।

नैतिकता के पैमाने पर घिब्ली: चैट जीपीटी का यह नवीनतम इमेज-जनरेशन फीचर ऐसी तस्वीरें और दृश्य बना रहा है, जो लगता है मानो सीधे 'स्टूडियो घिब्ली' के मालिक मियाजाकी की स्केचबुक से निकले हों। अब एआई टूल्स जैसे मिडजर्नी और डल-ए, इस स्टाइल की नकल करके पलक झपकते ही हू-ब-हू घिब्ली शैली जैसी तस्वीरें बना रहे हैं। एआई टूल्स की ये सटीक कलात्मकता अपनी जगह है, लेकिन सवाल है कि यह नैतिकता की दृष्टि से कितना सही है? क्योंकि घिब्ली स्टूडियो ने कभी किसी एआई को अपने काम से ट्रेनिंग की अनुमति नहीं दी। फिर भी कंपनियां एआई को यह स्टाइल सिखा रही हैं। वास्तव में यह उचित नहीं है। जिन पारंपरिक कलाकारों को यह स्टाइल सीखने में वर्षों लगे, उनकी वर्षों की मेहनत एआई उनसे पलक झपकते छीन रहा है। इससे दुनिया के वास्तविक कलाकारों का भविष्य खतरे में पड़ रहा है।

'जब एआई ये सब मुफ्त में बना सकता है, तो मैं किसी कलाकार को क्यों हायर करूं?' लोग यही सोचकर ऐसे क्रिएटिव आर्ट के लिए कलाकारों के बजाय एआई टूल्स की सेवा लेने लगे हैं। लेकिन जरा सोचिए, क्या एक मशीन द्वारा बनाई गई कला भी उतनी ही 'सच्ची' और 'इनसानी' हो सकती है, जितनी किसी इंसान द्वारा बनाई गई? बहरहाल, इन परिस्थितियों से हताश या निराश होने के बजाय हमें नई रचनात्मक दिशाओं की तलाश करनी होगी, जैसे-एआई के साथ मिलकर क्रिएटिविटी को अपनाना। हमें एआई को क्रिएटिविटी में सहयोगी बनाना चाहिए, ऑप्शन नहीं। तभी कला और तकनीक का बैलेंस्ड यूज हो पाएगा। *

हाल में रिलीज हुई फिल्म 'जाट' में सनी देओल अपने जाने-पहचाने एंग्री एक्शन मैन के रोल में दिख रहे हैं। साउथ फिल्मों के डायरेक्टर गोपीचंद मलिनेनी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में काम करने के उनके एक्सपीरियंस कैसे रहे? अब तक की अपनी एक्टिंग जर्नी को वे कैसे देखते हैं? फिल्म और करियर से जुड़े कई सवालों के जवाब सनी देओल ने दिए इस बातचीत में।

बतौर एक्टर मेरा करियर अच्छा-खासा चल रहा है: सनी देओल

खास मुलाकात

पूजा सामंत

चार दशक पहले फिल्म 'बेताब' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले सनी देओल को फिल्म इंडस्ट्री में 42 वर्ष हो चुके हैं। इन दिनों सनी देओल, बीते शुक्रवार को रिलीज हुई फिल्म 'जाट' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म की कहानी और पटकथा लिखने के साथ ही डायरेक्ट भी किया है साउथ फिल्मों के गोपीचंद मलिनेनी ने। फिल्म में सनी देओल के अपोजिट रेजिना कैसेंड्रा और सैयामी खेर हैं, जबकि रणदीप हुड्डा नेगेटिव रोल में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म और करियर से जुड़ी बातें सनी देओल के साथ।

आपने पहली बार साउथ फिल्म मेकर के साथ फिल्म की है, इसकी क्या खास वजह रही?

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की कई खासियतें हैं। यहां ज्यादातर आम लोगों के लिए फिल्में बनाई जाती हैं। मनोरंजन के साथ-साथ अच्छी कहानी का भी ध्यान रखा जाता है। गोपीचंद ने जब इस फिल्म की स्टोरी सुनाई, तो मुझे फिल्म की कहानी, इसमें मेरा किरदार बेहद पसंद आया, इसलिए मैंने बिना देर किए इस फिल्म के लिए हामी भर दी।

आप खुद जाट परिवार से ताल्लुक रखते हैं। ऐसे में आप अपनी फिल्म 'जाट' के साथ कैसे खुद को रिलेट करते हैं?

यह सच है कि मैं जाट परिवार से ताल्लुक रखता हूं। लेकिन अपने देश में अमूमन 'जट' यानी किसान को भी 'जाट' कहा जाता है। मैं इस फिल्म में जाट यानी किसान बना हूं। किसान कहीं का हो, उनका खान-पान, रहन-सहन, संस्कृति, जीवन तकरीबन एक-सा होता है। खेती-किसानी से हम जुड़े रहे हैं। इसलिए यह फिल्म और इसमें अपने किरदार से मैं आसानी से रिलेट करता हूं।

फिल्म 'जाट' के एक दृश्य में सनी देओल

आपने हाल-फिलहाल में यह कहा था कि आप साउथ में सैटल होना चाहते हैं। क्या वाकई ऐसी प्लानिंग है?

साउथ फिल्म इंडस्ट्री का डिसिप्लीन और वर्किंग स्टाइल देखकर मैं सरप्राइज्ड रह गया। 'जाट' साउथ में की मेरी पहली ही फिल्म है। इसका अनुभव बड़ा सुहाना, यादगार रहा। मैंने महसूस किया कि यहां लोग अपने काम को बड़ी गंभीरता से लेते हैं। यही वजह है कि यहां की अधिकांश फिल्में सफल होती हैं। इन्हीं सब कारणों से मैंने मजाकिया अंदाज में यह कह दिया था, मैं अब प्रोफेशनल कारणों से साउथ में बसने वाला हूं। नथिंग सीरियस!

आपने कुछ फिल्में डायरेक्ट भी की हैं, लेकिन इधर कुछ वर्षों से आपने कोई फिल्म डायरेक्ट नहीं की, इसकी क्या वजह है?

मैंने 1999 में 'दिल्लगी' फिर 2016 में 'घायल वंस अगेन' फिर 2019 में 'पल-पल दिल के पास' फिल्मों को निर्देशित किया था। जब भी मैंने डायरेक्शन की बागडोर संभाली, मुझे उन फिल्मों को मना करना पड़ा, जो उस दौरान मुझे ऑफर हुई थीं। मुझे मेरे वेल विशर्स ने यह सलाह दी कि दर्शक आपको बतौर एक्टर सिल्वरस्क्रीन पर देखना चाहते हैं। मुझे लगता है कि एक लीडिंग एक्टर के रूप में मेरा करियर जब अच्छा-खासा चल रहा है तो मुझे उसी पर फोकस करना चाहिए। इसलिए अब मैं डायरेक्शन के बजाय एक्टिंग को तवज्जो दे रहा हूं।

आपके फिल्मी करियर को 42 वर्ष हो चुके हैं, कैसा रहा अब तक का फिल्मी सफर?

बहुत ही अच्छा रहा। मेरी डेब्यू फिल्म 'बेताब' को आज भी लोग भूल नहीं पाए हैं, जबकि इस फिल्म को रिलीज हुए 42 वर्ष हो चुके हैं। मैं अपने करियर का पूरा श्रेय अपने पापा को देना चाहूंगा। अगर उन्होंने मुझे लॉन्च नहीं किया होता तो शायद मेरा एक्टिंग में करियर ही नहीं बनता! मेरे एक्टिंग करियर का दूसरा बड़ा श्रेय मेरे दर्शक, मेरे मेकर्स, मेरे को एक्टर्स सभी को जाता है। कई बार फिल्में नहीं चलीं, लगा अब खत्म हुआ फिल्मी सफर, लेकिन फिर कोई न कोई फिल्म चली और मैं कहता रहा, 'एक मोड़ आया, मैं उत्थे असफलता छोड़ आया' रब दी मेहर बड़ी रही।

आपके प्रति एक डर-सा रहता है लोगों और मीडिया के दिल में, इसकी क्या वजह है?

ऐसा शायद मेरे फिल्मी इमेज की वजह से हुआ है। लेकिन असल जिंदगी में मैं बहुत सॉफ्ट स्पोकन, अच्छे व्यवहार का शख्स हूं। सभी के साथ प्यार से पेश आता हूं। मुझसे मेरे फैंस या मीडिया के लोग डरें, ऐसा मेरा व्यवहार कभी नहीं रहा।

अपनी अपकमिंग फिल्मों के बारे में कुछ बताइए।

आमिर खान प्रोडक्शन की राजकुमार संतोषी निर्देशित 'लाहौर 1947' और जे.पी. दत्ता की 'बॉर्डर 2' आने वाली हैं। इसके अलावा और भी कुछ फिल्मों पर बातचीत चल रही है, वक्त आने पर इस बारे में भी बताऊंगा। *

मेरी पहचान-ढाई किलो का हाथ

जब भी सनी देओल की बात चलती है, 'ढाई किलो का हाथ' का जिक्र जरूर आता है। इस बारे में पूछे जाने पर सनी कहते हैं, 'इस डायलॉग के हिट होने के बाद जब हर जगह, हर कहीं 'ढाई किलो का हाथ' मेरी पहचान से जुड़ने लगा, तो मैं इससे ईरिटेट हो जाता था। लेकिन बाद में मुझे अहसास हुआ कि मेरे फैंस को मेरी यह पहचान पसंद है, तो मैंने भी इसे 'अडॉप्ट' कर लिया। अब मुझे बुरा लगना बंद हो गया है। अब तो मेरे करियर, मेरी पहचान का हिस्सा बन चुका है-ढाई किलो का हाथ।